सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 342, नई दिल्ली । मंगलवार, 18 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 प्रधानमंत्री को पता है कि 48 विधायकों में से किसी के पास सरकार चलाने की योग्यता नहीं है - आतिशी
06 सही कैरियर चुनने का महत्व
08 किट यूनिवर्सिटी में नेपाली छात्र की मौत पर संदेह बढ़ा: वार्डन ने शव दिखाने से किया इनकार

भारतीय बस एवं कार ऑपरेटर परिसंघ (BOCI) द्वारा दर्ज शिकायत पर सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा संसदीय अधिनियमों को अपनी इच्छा से बदलने पर करी बड़ी कार्यवाही

सत्यमेव जयते
MoRTH
Ministry of Road Transport & Highways
Government of India

संजय बाटला

नईदिल्ली। दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा अपनी इच्छा से संसदीय अधिनियमों और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के गलत क्रियान्वयन के प्रति अत्यंत महत्वपूर्ण मामले की ओर भारतीय बस एवं कार ऑपरेटर परिसंघ (BOCI) द्वारा ईमेल एवम्पत्र के माध्यम से मोर्थ का ध्यान आकर्षित किया। आपकी जानकारी हेतु बता दें संसद द्वारा अधिनियम और इन अधिनियमों के तहत नियम बनाए जाते हैं। संसद द्वारा बनाए गए अधिनियम एवम्-अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए नियमों को अपनी सुविधा के हिसाब से बदलने या संशोधित करने का अधिकार किसी के भी पास नहीं है। परन्तु दिल्ली परिवहन आयुक्त लगातार संसद द्वारा बनाए गए अधिनियम और उसके अंतर्गत नियमों को अपनी इच्छा से बदलते आ रहे हैं और इसी क्रम में परिवहन आयुक्त द्वारा संसदीय अधिनियम के तहत **नियम 62 के अनुसार, प्रमाणपत्र फिटनेस के नवीनीकरण के लिए आवेदन समाप्ति तिथि से 60 दिन पहले तक किया जा सकता है।** को अपनी इच्छा से बदलवा दिया था जिससे बड़ी संख्या में पोनियो और डिस्ट्रो का निर्माण हुआ। भारतीय बस एवं कार ऑपरेटर परिसंघ (BOCI) के द्वारा लिए गए संज्ञान पर सड़क परिवहन एवम्राजमार्ग मंत्रालय ने तत्काल कार्यवाही करते हुए एन.आई.सी. को दिशा निर्देश जारी कर उसे तत्काल ठीक करवा दिया।

आप सभी की जानकारी हेतु भारतीय बस एवं कार ऑपरेटर परिसंघ (BOCI) द्वारा सड़क परिवहन एवम् राजमार्ग मंत्रालय को भेजी गई ईमेल का हिंदी रूपांतरण प्रस्तुत है।

अग्रेषित संदेश, प्रेषकः cmvr boci <transportnstudy@gmail.com>
दिनांकः गुरूवार, 6 फरवरी, 2025, सुबह 8:27 बजे
विषयः संसदीय अधिनियमों का पालन और नियम
<as-transport-mortn@gov.in>
सीसीः नलिनी शर्मा नौटियाल
<hod-vahan@nic.in>,
निक जयदीप सूम<Joydep@nic.in>

विषयः संसदीय अधिनियमों और नियमों का पालन

संदर्भः फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के संबंध में चिंता

आदरणीय महोदय

हम संसद द्वारा पारित अधिनियमों और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के गलत क्रियान्वयन से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण मामले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहे हैं जैसा कि आप जानते हैं, संसद द्वारा अधिनियम बनाए जाते हैं और इन अधिनियमों के तहत नियम बनाए जाते हैं। इस बात पर ज़ोर देना ज़रूरी है कि किसी भी अधिकारी को अपनी सुविधा के हिसाब से इन अधिनियमों या नियमों को बदलने या संशोधित करने का अधिकार नहीं है।

नियम 62 के अनुसार, प्रमाणपत्र फिटनेस के नवीनीकरण के लिए आवेदन समाप्ति तिथि से 60 दिन पहले तक किया जा सकता है। हालाँकि, हमें बताया गया कि परिवहन विभाग, दिल्ली सरकार ने इस समय सीमा को कम कर दिया है। इससे बड़ी संख्या में पोनियो और डिस्ट्रो का निर्माण हुआ है

परिवहन वाहन मालिकों में भारी घबराहट और संकट है, क्योंकि उनकी आजीविका का स्रोत केवल इन परिवहन वाहनों पर निर्भर करता है। हम आपके ध्यान में लाना चाहते हैं कि एनआईसी ने वाहन पोर्टल में फिटनेस के लिए आवेदन करने की समय अवधि के संबंध में भी बदलाव किया है। यह उल्लेख करना उचित है कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अनुसार, मोर्थ पोर्टल का मालिक है और एनआईसी मोर्थ द्वारा पोर्टल के रखरखाव और विकास के लिए मोर्थ द्वारा अधिकृत एजेंसी है, जो केवल मोर्थ के निर्देशन में है। **पोर्टल में उपरोक्त परिवर्तन यानी 60 दिन पहले से 30 दिन पहले, एनआईसी द्वारा मोर्थ की स्वीकृति के बिना किया गया है। यह उल्लेख करना भी उचित है कि अतीत में एनआईसी को निर्देश दिया गया था कि वह मोर्थ की स्वीकृति के बिना पोर्टल में कोई भी बदलाव न करे।**

निर्धारित नियमों और अधिनियमों से किसी भी प्रकार का विचलन असंगतियों, गलतफहमियों और संभावित कानूनी मुद्दों को जन्म दे सकता है।

हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप यह सुनिश्चित करें कि आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी अधिकारी संसदीय अधिनियमों और नियमों का बिना किसी अनधिकृत परिवर्तन के सख्ती से पालन करें।

हम आपसे यह भी अनुरोध करते हैं कि विशेष रूप से दिल्ली सरकार के परिवहन आयुक्त को सख्त आदेश दिया जाए कि वे अपनी इच्छा से कोई भी बदलाव किए बिना नियमों का पालन करें। इसके अलावा, एनआईसी को निर्देश दिया जाएगा कि वह पोर्टल में मोर्थ की मंजूरी के बिना कोई भी बदलाव न करे और यदि राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बदलाव करना चाहते हैं, तो अनुरोध को मंजूरी के लिए मोर्थ को भेज दिया जाएगा।

प्रसन्ना पटवर्धन, अध्यक्ष भारतीय बस एवं कार ऑपरेटर परिसंघ
गुरमीत सिंह तनेजा, अध्यक्ष (सीएमवीआर समिति)

एम.वी. एक्ट के अनुसार गलती/कमी वाले वाहनों की सुपुर्दगी स्क्रैप डीलरो को, किसका आदेश और क्यों

संजय बाटला

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं मोटर वाहन नियम के अनुसार अगर कोई व्यवसायिक वाहन नियमों के उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसका चालान काट कर वाहन जब्त किया जा सकता है पर जुर्माना भरने के बाद उसको उसका वाहन जब्त करने वाली एजेंसी/ विभाग को वापिस करना आवश्यक है। किसी भी नियम या आदेश के अंतर्गत उस वाहन की घोषित समय सीमा (आयु) पूर्ण होने से पहले उसे एजेंसी/विभाग ना तो स्क्रैप और ना हीं नीलाम करवा सकता है। अगर एजेंसी/विभाग उसे स्क्रैप या नीलाम करना चाहते है तो उसे कोर्ट// न्यायालय से आज्ञा लेनी अनिवार्य है। **लेकिन यह कानून दिल्ली परिवहन आयुक्त की समझ से बाहर है** क्योंकि उनका मानना है की जो वह कहे वहीं नियम/कानून/ संविधान। आप की जानकारी हेतु बता दें दिल्ली में प्रदुषण नियंत्रित करने के उद्देश्य से एनजीटी एवम्-उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी आदेश **(डीजल वाहन 10 साल से अधिक आयु और पेट्रोल 15 साल से अधिक आयु) के नाम पर दिल्ली परिवहन आयुक्त इलेक्ट्रिक एवम्-सीएनजी वाहन जो सरकार और विभाग के द्वारा कथित बयानों के अनुसार प्रदूषण नहीं फैलाते हैं और उनकी समय सीमा (आयु) भी समाप्त नहीं हुई है उन वाहनों को भी अपने बल का दुरुपयोग करते हुए बलपूर्वक मार्शल और असामाजिक व्यक्तियों का प्रयोग कर उठवाकर अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से स्क्रैप करने के लिए सुपुर्द करवा रहे हैं। आपकी जानकारी हेतु बता दें की ना तो एनजीटी, ना ही उच्चतम न्यायालय और ना ही वायु गुणवत्ता आयोग ने कभी भी बिना आयु पूर्ण वाहनों को सड़को पर चलने से रोकने या स्क्रैप करवाने का आदेश जारी किया है और ना ही मोटर वाहन नियम अधिनियम में ऐसा करने की इजाजत है** फिर किस नियम या किसके आदेश पर परिवहन आयुक्त दिल्ली में चल रहे ई रिक्शा/अन्य व्यवसायिक वाहन जिनकी फिटनेस/ इंश्योरेंस/ अन्य किसी भी एमवी एक्ट के तहत दस्तावेज में कमी पाए जाने पर ऐसे वाहनों के एमवी एक्ट के अनुसार चालान ना कटवाकर सीधे स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द करवा रहे है। **अगर परिवहन आयुक्त गैर कानूनी कार्य करे तो कोई कार्यवाही नहीं पर आम आदमी परिवार के भरण पोषण के लिए गलती करे तो अवैधानिक सजा कहा का न्याय है यह? आखिर किसी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से किसी दूसरे के साथ गैर कानूनी गतिविधि का छल एवम्-बल पूर्वक प्रयोग क्या एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को शोभा देता हैं** जो दिल्ली के परिवहन आयुक्त कर रहे हैं और आश्चर्य यह है की सब कुछ जानते हुए भी मुख्य सचिव और उपराज्यपाल है चुप।

दिल्ली परिवहन विभाग गुंडों और बॉक्सरो के बल और बिना कागजातों/ पूर्ण कागजातों वाली क्रेनो से करवा रहे हैं वाहन जब्ती आखिर क्यों?

संजय बाटला, नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन आयुक्त का बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो से ऐसा क्या लगाव है जिसके लिए वह उन्हें बिना कागजों/ बिना पूर्ण कागजों की क्रेनों के साथ गुंडों/ बॉक्सरों का प्रयोग करने की छूट देकर जनता के वाहनों को उठवा कर दे रहे है। इतना ही नहीं संसद द्वारा निर्मित अधिनियमों और अधिनियमों के अंतर्गत निर्मित नियमों की खुली अवहेलना करते हुए समय सीमा बचे वाहनों को भी स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द कर रहे है। दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा करवाई जा रही इस तरह की गैर न्यायिक गतिविधियों के अनगिनत वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं। जनता से परिवहन आयुक्त द्वारा की जा रही गैर कानूनी कार्यवाहियों की जानकारी होते हुए भी आखिर क्यों चुप है मुख्य सचिव, उपराज्यपाल और गृहमंत्री भारत सरकार, बड़ा सवाल?

गाँव के बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा बहुत ज़रूरी - सरदार देवेंद्र सिंह

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। जिला फ़रीदाबाद उपायुक्त विक्रम सिंह आईएएस के आदेशानुसार व प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण फरीदाबाद के डीटीओ मनीष सहगल HPS एवं डिप्टी कमिश्नर ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद जसलीन कौर आईपीएस के निर्देशनुसार एवं सरदार देवेंदर सिंह स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य के मार्ग दर्शन में आज तिगांव गवर्नमेंट कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक कैम्प पर विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया यहाँ रोड सेफ़्टी ओमनी फ़ाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट बिजेंद्र सैनी ने बताया हमारा रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट है चलो गाँव की ओर क्योंकि यहाँ गाँव के बाजरों में स्कूल व कालेजों के बच्चे दुपहिया वाहन तेज़ गति से चलाते है जो घातक व कोई दुर्घटना का कारण हो सकती है इसलिए हम सबको सड़क नियम बिल्कुल नहीं तोड़ने चाहिए बड़े बड़े वाहनों जैसे ट्रक, डप्पर, पानी के टैंकर आदि से हमेशा ही दूर होकर चलें।

आजकल बढ़ रहे साइबर क्राइम के साथ डिजिटल अरेस्ट काफ़ी ज़ोर पुरे देश में पकड़ रहा है इसकी जानकारी कम लोगों व बच्चों को है साइबर फ्रॉड से बचना और दूसरों को बचाना सबसे बड़ा काम है डिजिटल अरेस्ट में वीडियो कॉल पर नक़ली पुलिस, नक़ली सीबीआई व जज वकील आदि बनकर पैसों की ठगी करतें हैं आप सभी तुरंत डायल 1930 पर कॉल करके अपनी अपनी शिकायत अबश्य ही दर्ज करवाए

एडिशनल एसएचओ ओमप्रकाश जी ने एनएसएस के बच्चों को कविताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया व बच्चों को देश के प्रति बढ़ौतरी के नियम बताए वहीं एसएचओ तिगांव सुनील कुमार ने सभी बच्चों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई कि आपने ट्रैफिक के नियमों की पालना हमेशा करनी है और ज्यादा से ज्यादा अपने अपने गांव के आसपास के लोगों एवं बच्चों को सड़क सुरक्षा एवं साइबर सेल पर जागरूक करना है और सड़क सुरक्षा पर एक रैली भी निकाली गई जिसमें बच्चों को ट्रैफिक के नियमों के बारे में बताया गया सड़क दुर्घटना समय देख कर नहीं होती इसलिए हेलमेट ज़रूर लगाए भारत देश को महान बनाए

एएसआई सुमन ने दुर्गा शक्ति के बारे में बताया और रात को अगर कोई भी महिला, बेटी को वाहन नहीं मिलता है तो वह 112 पर डायल कर सकती है उसको दुर्गा शक्ति टीम हरियाणा पुलिस द्वारा सुरक्षित घर तक पहुंचाया जाएगा एएसआई सुमन ने भी अपनी कविता के माध्यम से एवं एनएसएस की कॉलेज की बच्चियों को नए कानून के बारे में भी बताया।

आज इस अभियान में तिगांव कॉलेज एनएसएस कोडिनेटर असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती पारुल एवं योगेश कुमार अथवा डॉक्टर रुचिरा खुल्लर प्रिंसिपल मैडम एवं एसएचओ सुनीता मैडम महिला सेल बल्लभगढ़ थाना का भी भरपूर सहयोग रहा

बल्लबगढ सीटी थाना एसआई ओमप्रकाश, तिगांव एसएचओ सुनील कुमार एवं उनकी पूरी टीम, एएसआई सुमन महिला थाना बल्लबगढ, दुर्गा शक्ति से कांस्टेबल विकास व रजनी एवं स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट बिजेंद्र सैनी मौजूद रहे।

नोएडा एयरपोर्ट पर नई सुविधा के लिए काम शुरू

ईवी और सीएनजी वाहन चालकों को मिलेगी बड़ी राहत

नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) दो CNG स्टेशन और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग पॉइंट स्थापित करेगा। एयरपोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगह पर काम शुरू हो गया है। IGL सीधे पाइपलाइन से गैस की आपूर्ति करेगा ताकि गैस खत्म होने और लो प्रेशर की समस्या न हो।

परिवहन विशेष न्यूज

जेवर। नोएडा एयरपोर्ट पर आईजीएल अपने दोनों स्टेशनों पर गैस संग इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग सुविधा भी देगा। उसने अपने दोनों स्टेशनों पर पहले से ही प्लानिंग कर काम शुरू करा दिया है। गैस डालने में प्रेशर बाधा न बने इसके लिए आईजीएल की यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे डाली पाइपलाइन से एयरपोर्ट के दोनों स्टेशनों को जोड़ा जाएगा। कंपनी ने एग्रीमेंट होने संग एयरपोर्ट पर दो स्टेशन स्थापित करने व पाइपलाइन डालने का काम शुरू है।

सीएनजी स्टेशनों का काम मई तक पूरा हो जाएगा : आईजीएल प्रवक्ता ने बताया कि एयरपोर्ट पर सीएनजी स्टेशन व ईवी चार्जिंग पाइंट पर आईजीएल की तरफ से काम शुरू है। सीएनजी स्टेशनों का काम मई तक पूरा हो जाएगा। नोएडा एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड व यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. के बीच दो सीएनजी स्टेशनों को स्थापित करने को पिछले दिनों करार हुआ था।

यात्रियों के लिए रेस्ट रूम की भी होगी सुविधा : आईजीएल ने बताया कि एयरपोर्ट पर पश्चिमी साइड पर एंट्री पास बनने वाले स्टेशन की 33,600 किग्रा प्रतिदिन व एयरसाइड पर बनने वाला स्टेशन 16,800 किग्रा प्रतिदिन की क्षमता के स्थापित हो रहे हैं। एंट्री गेट के पास वाले स्टेशन पर एक बार में 16 वाहनों में गैस रिफिलिंग हो सकेगी। वहीं एयरसाइड स्टेशन से आठ वाहनों में एक साथ रिफिलिंग की जा सकती है। यात्रियों के लिए रेस्ट रूम की सुविधा भी होगी।

एयरपोर्ट पर नहीं होगी कम प्रेशर की समस्या : आईजीएल एयरपोर्ट पर बनने वाले अपने दोनों सीएनजी स्टेशनों के पर गैस की आपूर्ति सीधे पाइपलाइन से करेगा, क्योंकि कंटेनर से गैस आपूर्ति करने में गैस खत्म होने और लो प्रेशर का लोगो को सामना करना पड़ता है। एयरपोर्ट के अंदर व बाहर दोनों ही जगह पर कंपनी ने काम शुरू कर दिया है।

एयरपोर्ट परिसर में टर्मिनल बिल्डिंग, किचन और अन्य प्रष्ठिानों के अलावा सीआईएसएफ और पुलिस के अन्य केंद्रों पर पीएनजी गैस उपलब्ध कराने के लिए 24 किमी पाइपलाइन का जाल बिछाया जाएगा। इससे जहां भी पीएनजी गैस की आवश्यकता है, वहां उपलब्ध कराई जा सके।

आज तय होगी नीमका के विस्थापन की राह : नोएडा एयरपोर्ट के विस्तारीकरण में चौथे व पांचवें रनवे के लिए विस्थापित होने वाले गांव की सूची में शामिल नीमका के किसानों ने भ्रम की स्थिति को दूर करने को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों संग वार्ता का प्रस्ताव रखा है। किसानों की मांग पर सोमवार को यीडा ऑफिस में दोपहर 12 बजे वार्ता होगी।

किसानों ने बताया कि वार्ता में अगर डीजीसीए के अधिकारियों मौजूद नहीं हुए तो बगैर वार्ता किसानों का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लौट जाएगा। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि नीमका गांव का विस्थापन एयरपोर्ट के चौथे व पांचवें रनवे बनाने के लिए होना बहुत जरूरी है। किसानों की मांग थी कि डीजीसीए के अधिकारी किसानों को संतुष्ट कर दें कि उनका गांव कैसे रनवे को बाधित कर रहा है। अगर ऐसा होगा तो ग्रामीण भूमि देने के अलावा गांव का विस्थापन में प्रशासन का साथ देंगे।

किसानों की मांग पर यीडा के अधिकारियों ने सोमवार को किसानों को वार्ता के लिए बुलाया है। यीडा अधिकारियों का कहना है कि किसानों की समस्याओं को लेकर अक्सर वार्ता होती रहती है। नीमका के किसान अपनी कुछ मांगों को लेकर यीडा ऑफिस में वार्ता करना चाहते हैं।

किसान किसी भी कीमत पर विस्थापन को तैयार नहीं : अन्य प्रयोजन के लिए विस्थापन स्वीकार नहीं किसानों ने साफ कहा कि अगर रनवे की जद में गांव नहीं आ रहा व प्रशासन किसी अन्य प्रयोजन के लिए गांव का विस्थापन करेगा तो किसान किसी भी कीमत पर विस्थापन को तैयार नहीं हैं। तीसरे चरण के भूमि अधिग्रहण में नीमका गांव का विस्थापन होना है। गांव के किसानों का आरोप है कि नीमका गांव किसी भी रनवे क्षेत्र का हिस्सा नहीं है। उसके बाद भी अन्य परियोजनाओं के लिए नीमका गांव का जबरन विस्थापन किया जा रहा है।

पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय:

ज्योतिषाचार्य पं योगेश पौराणिक

हमारे नक्षत्र मंडल में स्थित तीन तारे जो की गज दंत की भांति प्रतीत होते हैं पूर्वाषाढ़ नक्षत्र है। पूर्वाषाढ़ का अर्थ है "पहले वाला या अपराजेय" । इस नक्षत्र के नक्षत्रपति शुक्र तथा अप: को अधिपति देवी माना गया है। जो की वैभव, सफलता,यश देने वाली हैं। पूर्वाषाढ़ का चिन्ह हाथ का पंखा है।

स्वभाव : पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के जन्मे जातक धनी,मानी,गुणी, यशस्वी, सफलता के प्रति उत्साही,बीते कल को भूल कर भविष्य के लिए भी निश्चिंत दिखने वाला,अत्याधिक आत्मविश्वासी तथा महत्वकांक्षी होता है। आचार्य वराहमिहिर के अनुसार पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के जातक अभिमानी,सुंदर,आकर्षक,सहज प्रेमी,सत्यवक्ता होता है।

कैरियर : पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के जन्मे लोग जल सेना अधिकारी,जल परिवहन सेवा,मतस्यपालन,फैशन डिजाइनर, ब्यूटी पार्लर,जड़ी बूटी का व्यापारी,प्रवचनकर्ता,मनोचिकित्सक, एयर होस्टेज,कवि, लेखक,प्रबंधक,चित्रकार आदि में कैरियर बना कर सफलता प्राप्त कर सकता है।

रोग : पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्मे लोगो को पीठ दर्द,पैरो में दर्द ,देह कंपन, वात,गठिया आदि रोग परेशान कर सकते हैं।

उपाय : पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्मे जातक को मां लक्ष्मी की पूजा करना अत्यंत शुभकारी होता है। कनकधारा स्तोत्र का पाठ नित्य करने से लक्ष्मी इनके यहां चिर स्थिर हो जाती है। तथा भाग्य वृद्धि के लिए इन्हे हल्के गुलाबी तथा हल्के नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए।

आदान काल (उत्तरायण)

(ऋतू अनुसार खानपान का सेवन)

ऋतू - शिशिर ऋतू

संस्कृत मास - फाल्गुन

अंग्रेजी माह - मध्य जनवरी - मध्य मार्च

इन दो माह में रसायन का सेवन आधा चम्मच हरीतकी एवं सम मात्रा में पिप्पली चूर्ण का ताजे जल के साथ सेवन।

आयुर्वेद मतानुसार इस ऋतु में कफ दोष का संचय होता है, अग्नि तीव्र होती है तथा मनुष्य का शारीरिक बल श्रेष्ठ होता है।

संभावित रोग– वातिक व वात-कफज रोग यथा-ज्वर (सर्दी-बुखार) कास (खांसी), श्वास पक्षाधात, अर्दित, प्रतिश्याय (जुखाम), पैर में बिबाई फटना, दमा, त्वचा में रूखापन होना आदि।

पथ्य कर आहार-विहार-

शिशिर ऋतु में मनुष्यों की जठराग्नि प्रबल रहती है। यदि अग्नि बल के अनुसार अन्न न किया जाए तो अग्नि शरीर के सौम्य भाग को नष्ट करने लगती है। इसलिए शीत काल के शीत गुण के बढ़ने से वायु बढती है। इस वायु वृस्शी को रोकने हेतु-

अग्नि के तीव्र होने के कारण मधुर, अम्ल, लवण रसोयुक्त- गुरू व स्निग्ध आहार का सेवन करना चाहिए।

विविध प्रकार के मेवों से बने पकवान , मेवा मिश्रित लड्डू, तिल, घृत, तेल, सैन्धव लवण, मूंगदाल, अदरक, लहसुन, प्याज, गर्म दूध, तेल अभ्यंग, ऊनी एवं गर्म वस्त्र पहनना आदि

दुग्ध विकार (दुग्ध, खोया, पनीर, मिठाईयाँ); इक्षु विकार (गुड चीनी राव); नवीन धान्य (गेहूं चावल); नवीन मद्य (मदिरा सीधु); वसा; तेल; उष्ण जल आदि का सेवन करना चाहिए।

स्वस्थ नारी के साथ इच्छानुसार मैथुन किया जा सकता है।

अपथ्यकर आहार-विहार– अधिक तले भुने खाद्य पदार्थ, वातकारक भोजन, शीत पेय पदार्थ, वर्षा में भीगना आदि/ कटु, तिक्त कषाय रसो युक्त, वातल, लघु, शीतल अन्नपान व अल्पाहार का सेवन नही करना चाहिए।

1. इस ऋतु में बच्चों को श्वास (निमोनिया) होने की सम्भावना होती है। यदि बच्चे की साँस तेज चलने की शिकायत हो तो तुरंत वैद्यकीय सलाह ले।

2. इस मौसम में बाहरी खान पान, फ़ास्ट फ़ूड, जंक फ़ूड, ब्रेड, टोस्ट, चिप्स, चोकोलेट, आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक आदि बच्चों को कम खाने दे।

3. इस ऋतु में फंगल इन्फेक्शन का प्रकोप भी खूब तेजी से फैलता है। इससे बचाव हेतु शरीर के अंगों को सूखा एवं स्वच्छ रखें।

4. बासी भोजन करने से बचे। सदा ताज़ा बना गर्म भोजन करे।

मृत्यु के बाद भी आप कमा सकते है पुण्य

पुण्य कमाने के 7 (सात) आसान उपाय

1. किसी को धार्मिक ग्रन्थ भैंट करे , जब भी कोई उसका पाठ करेगा , आप को पुण्य मिलेगा
2. व्हील चेयर दान करे, जब भी कोई मरीज उसका उपयोग करेगा , पुण्य आपको मिलेगा
3. किसी अन्नक्षेत्र के नाम पर मासिक ब्याज वाली एफ .डी . बनवा दे, जब उस ब्याज से कोई भोजन करेगा, आपको पुण्य मिलेगा
4. किसी पब्लिक प्लेस पर वाटर कूलर लगवाएँ , हमेशा पुण्य मिलेगा
5. किसी अनाथ को शिक्षित करो वह और उसकी आने वाली पीढ़ियाँ भी आपको दुआ देगी, आपको पुण्य मिलेगा
6. अपनी औलाद को परोपकारी बना सके, तो सदैव पुण्य मिलता रहेगा
7. आप अपने जीवन काल में कम से कम 11 वृक्ष लगाकर बड़े कर दीजिए आपको जन्मों जन्म तक पुण्य मिलता रहेगा
8. सबसे आसान है कि आप यह सभी बाते औरों को बताये। अगर किसी एक ने भी अमल किया तो आपको पुण्य

गोंद-कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक

गोंद कतीरा तासीर में ठंडा है, इसलिए गर्मी में इसका सेवन करें। इसके सेवन से शरीर में ताक़त बनी रहती है। पेशाब में जलन और पेशाब सम्बंधित बीमारी में यह रामबाण की तरह काम करता है। गोंद कतीरा का प्रयोग विभिन्न प्रकार के रोगों को दूर करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

गोंद कतीरा के गुण

1. गोंद कतीरा शरीर के खून को गाढ़ा करता है,
2. हृदय की कठोरता को दूर करता है और
3. आंतों की खराश को दूर करके बलवान बनाता है।
4. यह शरीर से निकलने वाले खून को रोकता है,
5. सांस रोग को दूर करता,
6. खांसी को नष्ट करता व कफ दूर करता है।
7. यह छाती की खरखराहट और फेफड़ों के जख्मों को खत्म करता है।
8. इसका प्रयोग जहर को उतारने के लिए भी किया जाता है विशेषकर गर्म मिजाज वालों व्यक्ति के जहर को।
9. पेशाब की जलन,
10. मासिकस्राव का कम आना,
11. हाथ-पैरों की जलन,
12. सिर की जलन,
13. खुश्की,
14. अधिक प्यास लगना आदि रोग ठीक होते हैं।

शरीर की गर्मी व जलन से छुट्टी अगर आपके हाथ-पैरों में जलन की समस्या हो तो 2 चम्मच कतीरा को रात को सोने से पहले 1 गिलास पानी में भिगों दें। सुबह कतीरा के फूल जाने इसको शक्कर के साथ मिलाकर रोजाना खाने से हाथों और पैरों की जलन दूर हो जाती है अगर शरीर अधिक गर्म महसूस हो तो कतीरा को पानी में भिगोकर मिश्री मिले शर्बत के साथ घोटकर सुबह-शाम सेवन करें। इससे शरीर की गर्मी दूर होती है। इसके सेवन करने से गर्मियों में लू से बचा जा सकता है।

स्त्री रोग मे फायदेमंद गोंद कतिरा का सेवन महिलाओं की समस्याए जैसे बच्चा होने के बाद की कमजोरी, माहवारी की गड़बड़ी या ल्यूकोरिया आदि की समस्या को ठीक करता है। यह कमजोरी और उसके कारण होने वाली शारीरिक अनियमिताओं को भी ठीक करता है। गोंद कतीरा तथा मिश्री को बराबर की मात्रा में मिलाकर पीस लें और 2 चम्मच की मात्रा में कच्चे दूध के साथ सेवन करें।

स्वप्नदोष स्वप्नदोष के लिए, करीब 6 ग्राम गोंद कतीरा, रात को एक कप पानी में भिगा दी जाती है। रात भर में यह गोंद फूल जाता है जिसमे मिश्री 12 ग्राम मिलाकर खाया जाता है। 10-15 दिन तक इसके सेवन से स्वप्न दोष में लाभ होता है।

पैरों की जलन गोंद कतीरा रात को एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसमें चीनी मिलाकर सेवन करें। इससे हाथों-पैरों की जलन दूर होती है। इसका प्रयोग गर्मियों में बहुत ही लाभदायक है।

मूत्ररोग 10 ग्राम से 20 ग्राम गोंद कतीरा सुबह शाम फुलाकर मिश्री के साथ शर्बत घोटकर पीने से मूत्ररोग में लाभ मिलता है।

सौंठ के स्वास्थ्य लाभ

सौंठ में अदरक के सारे गुण मौजूद होते हैं। सौंठ दुनिया की सर्वश्रेष्ठवातनाशक औषधि है. आम का रस पेट में गैस न करें इसलिए उसमें सौंठ और घी डाला जाता है। सौंठ में उदरवातहर (वायुनाशक) गुण होने से यह विरेचन औषधियों के साथ मिलाई जाती है। यह शरीर में समत्व स्थापित कर जीवनी शक्ति और रोग प्रतिरोधक सामर्थ्य को बढ़ाती है।

बहुधा सौंठ तैयार करने से पूर्व अदरख को छीलकर सुखा लिया जाता है । परंतु उस छीलन में सर्वाधिक उपयोगी तेल (इसेन्शयल ऑइल) होता है, छिली सौंठ इसी कारण औषधीय गुणवत्ता की दृष्टि से घटिया मानी जाती है । वेल्थ ऑफ इण्डिया ग्रंथ के विद्वान्लेखक गणों का अभिमत है कि अदरक को स्वाभाविक रूप में सुखाकर ही सौंठ की तरह प्रयुक्त करना चाहिए । तेज धूप में सुखाई गई अदरक उस सौंठ से अधिक गुणकारी है जो बंद स्थान में कृत्रिम गर्मी से सुखाकर तैयार की जाती है।

गर्म प्रकृति वाले लोगो के लिए सौंठ अनुकूल नहीं है।

भोजन से पहले अदरक को चिप्स की तरह बारीक कतर लें। इन चिप्स पर पिसा काला नमक बुरक कर खूब चबा-चबाकर खा लें फिर भोजन करें। इससे अपच दूर होती है, पेट हलका रहता है और भूख खुलती है।

सौंठ और उड़द उबालकर इसका पानी पीने से लकवा ठीक हो जाता है।

सौंठ मिलाकर उबाला हुआ पानी पीने से पुराना जुकाम खत्म होता है। सौंठ के टुकड़े को रोजाना बदलते रहना चाहिए।

सोंठ, पीपल और कालीमिर्च को बराबर की मात्रा में लेकर पीस लें। इसमें 1 चुटकी त्रिकुटा को शहद के साथ चाटने से जुकाम में आराम आता है।

सौंठ, सज्जीखार और हींग का चूर्ण गर्म पानी के साथ सेवन करने से सारे तरह के दर्द नष्ट हो जाते हैं।

सौंठ और जायफल को पीसकर पानी में अच्छी तरह मिलाकर छोटे बच्चों को पिलाने से दस्त में आराम मिलता है।

सौंठ, जीरा और सेंधानमक का चूर्ण ताजा दही के मट्ठे में मिलाकर भोजन के बाद सेवन करने से पुराने अतिसार (दस्त) का मल बंधता है। आम (कच्ची ऑव) कम होता है और भोजन का पाचन होता है।

सौंठ को पानी या दूध में घिसकर नाक से सूंघने से और लेप करने से आधे सिर के दर्द में लाभ होता है।

लगभग 12 ग्राम की मात्रा में सौंठ को गुड़ के साथ मिलाकर खाने से शरीर की सूजन खत्म हो जाती है।

सोंठ, कालीमिर्च और हल्दी का अलग-अलग चूर्ण बना लें। प्रत्येक का 4-4 चम्मच चूर्ण लेकर मिला लें और इसे कार्क की शीशी में भरकर रख लें। इसे 2 ग्राम (आधा चम्मच) गर्म पानी के साथ दिन में 2 बार सेवन करना चाहिए। इससे श्वासनली की सूजन और दर्द में लाभ मिलता है। ब्रोंकाइटिस के अतिरक्त यह खांसी, जोड़ों में दर्द, कमर दर्द और हिपशूल में लाभकारी होता है। इसे आवश्यकतानुसार एक हफ्ते तक लेना चाहिए। पूर्ण रूप से लाभ न होने पर इसे 4-5 बार ले सकते हैं।

सोंठ और कायफल के मिश्रित योग से बनाए गये काढे.का सेवन करने से वायु प्रणाली की सूजन में लाभ मिलता है।

सोंठ, हरड़, बहेड़ा, आंवला और सरसों का काढ़ा बनाकर कुल्ला करें। इससे रोजाना सुबह-शाम कुल्ला करने से मसूढ़ों की सूजन, पीव, खून और दांतों का हिलना बंद हो जाता है। सौंठ को गर्म पानी में पीसकर लेप बना लें। इससे रोजाना दांतों को मलने से दांतों में दर्द नहीं होता और मसूढे.मजबूत होते हैं।

सोंठ, मिर्च, पीपल, नागकेशर का चूर्ण घी के साथ माहवारी समाप्त होने के बाद स्त्री को सेवन कराने से गर्भ ठहर जाता है।

महारास्नादि में सोंठ का चूर्ण मिलाकर सुबह-शाम पीने और रोजाना रात को 2 चम्मच एरण्ड के तेल को दूध में मिलाकर सोने से पहले सेवन करने से अंगुलियों की कंपन की शिकायत दूर हो जाती है।

यदि दिल कमजोर हो, धड़कन तेज या बहुत कम हो जाती हो, दिल बैठने लगता हो तो 1 चम्मच सोंठ को एक कप पानी में उबालकर उसका काढ़ा बना लें। यह काढ़ा रोज इस्तेमाल करने से लाभ होता है।

10 ग्राम सोंठ और 10 ग्राम अजवायन को 200 मिलीलीटर सरसों के तेल में डालकर आग पर गर्म करें। सोंठ और अजवायन भुनकर जब लाल हो जाए तो तेल को आग से उतार लें। यह तेल सुबह-शाम दोनों घुटनों पर मलने से रोगी के घुटनों का दर्द दूर हो जाता है। 10 ग्राम सोंठ, 10 ग्राम कालीमिर्च, 5 ग्राम बायविडंग और 5 ग्राम सेंधानमक को एक साथ पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण को एक छोटी बोतल में भर लें, फिर इस चूर्ण में आधा चम्मच शहद मिलाकर चाटने से गठिया का दर्द दूर हो जाता है।

6 ग्राम पिसी हुई सोंठ में 1 ग्राम नमक मिलाकर गर्म पानी से फंकी लेने से पित्त की पथरी में फायदा होता है।

सोंठ, गुग्गुल तथा गुड़ को 10-10 ग्राम की मात्रा में लेकर काढ़ा बनाकर सोते समय पीने से मासिक-धर्म सम्बन्धी परेशानी दूर हो जाती हैं।

50 ग्राम सोंठ, 25 ग्राम गुड़ और 5 ग्राम बायविडंग को कुचलकर 2 कप पानी में उबालें। जब एक कप बचा रह जाए तो उसे पी लेना चाहिए। इससे मासिक-धर्म नियमित रूप से आने लगता है।

गुड़ के साथ 10 ग्राम सोंठ खाने से पीलिया का रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

बुढ़ापे में पाचन क्रिया कमजोर पड़ने लगती है। वात और कफ का प्रकोप बढ़ने लगता है. हाथों, पैरों तथा शारीर के समस्त जोड़ो में दर्द रहने लगता है। सौंठ मिला हुआ दूध पीने से बुढ़ापे के रोगों से राहत मिलती है।मिलेगा।

240 ग्राम से ज्यादा सब्जी खाने से 65% लिवर कैंसर का खतरा कम, नई रिसर्च में खुलासा

भारत में शराब के सेवस से होने वाले कैंसर के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। इसी बीच एक नई रिसर्च में दावा किया गया कि सब्जी खाने से लिवर के कैंसर के खतरे में 64 फीसदी की कमी लाई जा सकती है। यह रिसर्च फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने की है। 179 रोगियों पर शोध किया गया।

भोजन में सब्जियों का काफी महत्व है। अगर यह अच्छी न बने तो खाने का सारा स्वाद खराब हो जाता है। सब्जी हमें गंभीर बीमारी से भी बचाती है। एक अध्ययन के मुताबिक, पर्याप्त मात्रा में सब्जियां खाने से लिवर कैंसर का खतरा 65 प्रतिशत कम हो सकता है।

फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में अध्ययन में सिरोसिस से पीड़ित मरीजों पर शोध किया गया। इन रोगियों में सब्जियां और फल खाने के लाभों की जांच की।

42.5 फीसदी रोगी नहीं खा रहे पर्याप्त सब्जी

विश्लेषण किए गए 179 रोगियों में से 20 को हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (लिवर कैंसर) का पता चला। टीम ने पाया कि सिरोसिस से पीड़ित 42.5 फीसदी रोगी फल और सब्जियों का पर्याप्त मात्रा में सेवन नहीं कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा कि 240 ग्राम से अधिक सब्जियां प्रतिदिन खाने वाले सिरोसिस से पीड़ित रोगियों में लिवर कैंसर के मामलों में 65 फीसदी कमी देखी गई।

लाभदायक साबित हो सकती जानकारी

टीम ने कहा कि सिरोसिस के रोगियों में फल और सब्जी की खपत और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के जोखिम के

संबंध में सही तरीके से जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा की रोकथाम में इस तरह की जानकारी बेहद लाभदायक साबित हो सकती है। यह शोध जेएचईपी जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

छठा सबसे आम कैंसर है लिवर कैंसर

लिवर कैंसर दुनिया भर में छठा सबसे आम कैंसर है, जिसका मुख्य रूप से हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है, जो लगभग 85-90 प्रतिशत है। यह तब होता है जब लिवर पर ट्यूमर बढ़ता है। हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा सबसे अधिक उन लोगों में होता है जिन्हें क्रोनिक लिवर रोग है। क्रोनिक लिवर रोग के मुख्य कारण शराब और वायरल हेपेटाइटिस हैं, जबकि इसमें अधिक वजन और मोटापा, दूषित खाद्य पदार्थों का सेवन भी शामिल है।

सुबह उठकर रोजाना करें 5 काम, चंद दिनों में पूरा होगा गिलास स्किन का सपना

अगर आप भी कोरियन ब्यूटी सीक्रेट्स अपनाकर ग्लास स्किन का सपना पूरा करना चाहते हैं तो बस यहां बताई 5 आसान आदतों को अपने सुबह के रूटीन में शामिल कर लें। जी हां इससे न सिर्फ चेहरे पर निखार आएगा बल्कि स्किन भी बेदाग और चमकदार बन जाएगी। आइए आपको बताते हैं ग्लास स्किन से जुड़ी 5 मॉर्निंग हैबिट्स।

क्या आप भी कोरियन महिलाओं की तरह बेदाग और ग्लोइंग स्किन चाहती हैं? कोरियन स्किनकेयर दुनिया भर में पॉपुलर है, और इसमें एक खास बात है – हर सुबह की छोटी-छोटी आदतें। अगर आप भी अपनी स्किन को ग्लास स्किन जैसा बनाना चाहती हैं, तो आपको सुबह के रूटीन में सिर्फ 5 आसान काम करने होंगे। यहां हम आपको ऐसी ही दिनचर्या के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे फॉलो करने से कुछ ही दिनों में आपको अपनी स्किन पर फर्क साफ महसूस होने लगेगा। आइए जानें।

ठंडे पानी से धोएं चेहरा : कोरियन महिलाएं सुबह उठते ही चेहरे को ठंडे पानी से धोती हैं। लेकिन यह केवल क्लीनिंग का प्रोसेस नहीं है, बल्कि यह स्किन को ताजगी और ग्लो देता है। ठंडे पानी से चेहरा धोने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जो स्किन को और ज्यादा चमकदार बनाता है।

कैसे करें ? : चेहरे को हल्के हाथों से ठंडे पानी से धोएं। जल्दी से चेहरे को पोंछने की बजाय, उसे थोड़ी देर के लिए नेचुरल रूप से सूखने दें।

स्किन को करें हाइड्रेट : कोरियन स्किनकेयर का एक और सीक्रेट है टोनर। यह स्किन के पोर्स को क्लीन करता है और स्किन को पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखता है। टोनर की मदद से आप अपनी स्किन को ताजगी का अहसास दे सकती हैं।

कैसे करें ? : हल्के हाथों से टोनर को स्किन पर डैब करें, ताकि यह स्किन में अच्छे से एब्जॉर्ब हो सके।

टोनर को सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, गर्दन और डिकोल्टेज एरिया पर भी लगाएं।

फेस मसाज से मिलेगी ग्लोइंग स्किन : अगर आप अपनी स्किन में निखार चाहती हैं, तो आपको रोजाना फेस मसाज करनी चाहिए। कोरियन महिलाएं अपनी सुबह के रूटीन में फेस मसाज को शामिल करती हैं ताकि उनकी स्किन टाइट रहे और उस पर नेचुरल ग्लो आए।

कैसे करें ? : कोई लाइटवेट फेशियल ऑयल या मॉइश्चराइजर लगाकर अपनी उंगलियों से चेहरे पर गोलाकार मोशन में मसाज करें।

इसे 5-10 मिनट तक करें ताकि ब्लड सर्कुलेशन बढ़े और स्किन को ग्लो मिले।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें

कोरियन महिलाएं कभी भी अपनी स्किन को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में कंजूसी नहीं करतीं। SPF 50+++ वाली सनस्क्रीन उनके डेली रूटीन का अहम हिस्सा होती है, जो स्किन को यूवी रेज से बचाती है और उसे बेदाग बनाए रखती है।

पर्यावरण के प्रति भारतीयों का नैतिक दायित्व

डॉ. अंकुर शरण

भारत एक समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर वाला देश है, जहाँ प्रकृति को पूजनीय माना जाता है। हमारे वेदों, उपनिषदों और पुराणों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश मिलता है। लेकिन आधुनिक समय में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक भारतीय का नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे।

पर्यावरण संरक्षण: एक नैतिक जिम्मेदारी

पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। गांधी जी ने कहा था, "पृथ्वी के पास हर किसी की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं।" यह विचार हमें आत्मनिरीक्षण करने को प्रेरित करता है कि हम अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण में भूमिका निभा सकते हैं।

विशेष पहल और उदाहरण

भारत में कई व्यक्तियों और संगठनों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अनुकरणीय पहल की हैं। आइए, कुछ प्रमुख उदाहरणों पर नजर डालें—

'मेरा घोंसला' अभियान (www.MeraGhosla.com Initiative)

यह एक अनूठी पहल है, जिसे आद्या शरण (कुहू) और उनके परिवार ने शुरू किया। इस पहल के अंतर्गत हजारों घोंसले लगाए गए हैं, ताकि शहरीकरण के कारण संकटग्रस्त पक्षियों को सुरक्षित आवास मिल सके। यह पहल हमें सिखाती है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।

'पर्यावरण पाठशाला' (Paryavaran Paathshala)

डॉ. अंकुर शरण द्वारा शुरू की गई यह पहल पर्यावरण से जुड़े नैतिक मूल्यों को सिखाने का प्रयास करती है। इसके तहत विभिन्न विद्यालयों, कॉलेजों और संगठनों में जाकर पेड़-पौधों, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाता है।

राजस्थान के "पानी वाले बाबा" - राजेंद्र सिंह

जल संकट से जूझ रहे राजस्थान में राजेंद्र सिंह ने पारंपरिक जल संचयन प्रणालियों को पुनर्जीवित कर नदियों को पुनर्जीवित किया। उनके प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और उन्हें 'वाटरमैन ऑफ इंडिया' की उपाधि मिली।

'प्लास्टिक मुक्त भारत' अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान भारत को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने का प्रयास कर रहा है। इसमें नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है, जिससे हमारे समुद्र, नदियाँ और धरती स्वच्छ रह सकें।

चिपको आंदोलन (Chipko Movement)

1970 के दशक में उत्तराखंड में वृक्षों की कटाई के विरोध में चला यह आंदोलन एक प्रेरणा बना। ग्रामीण महिलाओं ने पेड़ों से चिपककर उनकी रक्षा की और यह संदेश दिया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए एकजुट होना आवश्यक है।

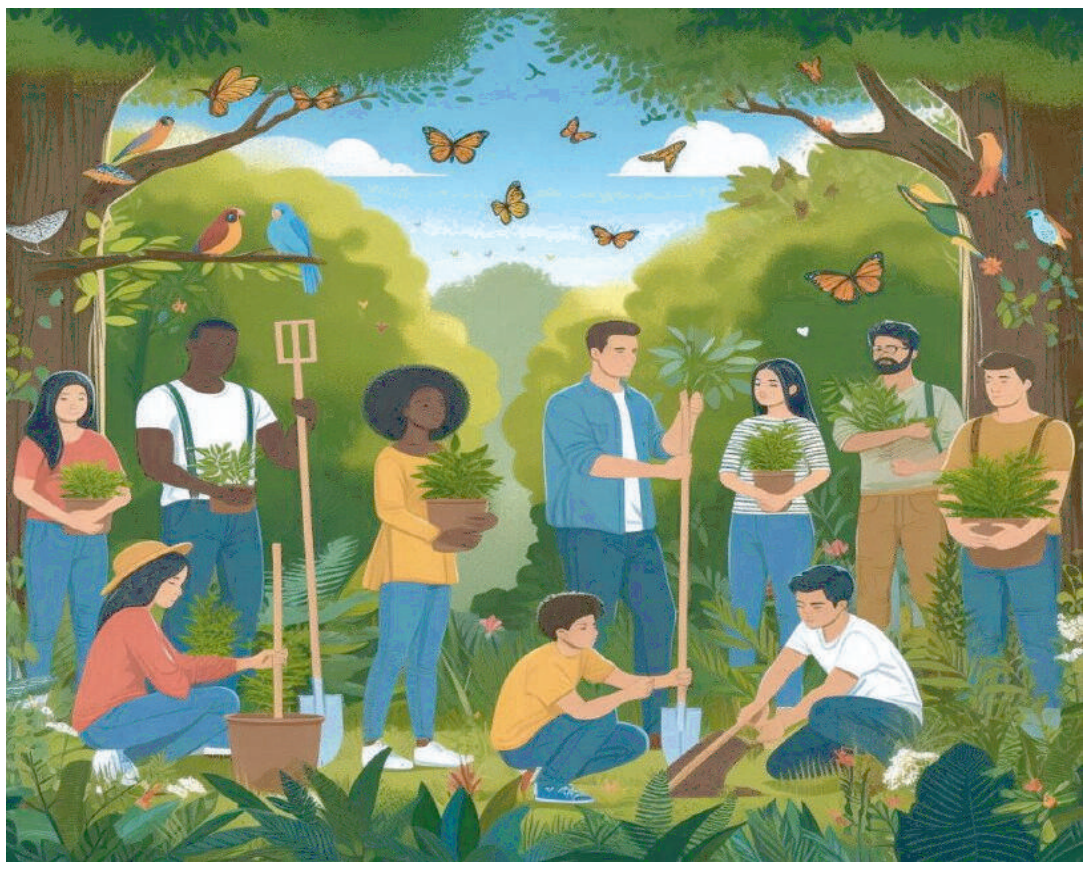

हमारा योगदान कैसे हो सकता है?

कम से कम प्लास्टिक का उपयोग करें।

अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ।

जल संरक्षण की आदत डालें।

पर्यावरण मित्र उत्पादों का उपयोग करें।

अपना कचरा खुद प्रबंधित करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय अभियानों से जुड़ें।

पर्यावरण संरक्षण कोई अलग जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा होना चाहिए। जब हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। प्रत्येक भारतीय का यह नैतिक दायित्व है कि वह पर्यावरण को बचाने में योगदान दे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा और स्वच्छ भारत छोड़े। "धरती माता का सम्मान करें, प्रकृति को अपनाएँ, और पर्यावरण के प्रहरी बनें!"

अरबी भाषा को एनआईओएस द्वारा तैयार विषय-सूची में शामिल किया जाना चाहिए: मर्कज़ी तालीमी बोर्ड

सुषमा रानी

नई दिल्ली। मर्कज़ी तालीमी बोर्ड बोर्ड के सचिव सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को एक पत्र लिखकर उसके द्वारा तैयार विषयों की सूची में अरबी भाषा को भी शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा, ₹यदि अरबी भाषा को एनआईओएस द्वारा तैयार किये गए विषय सूची में शामिल किया जाता है तो मदरसों में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में छात्रों को इसका लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।₹ केंद्रीय शिक्षा नीति, एनईपी 2020, विदेशी भाषाओं को सीखने पर जोर देती है और छात्रों को उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसे में, अरबी भाषा को शामिल करने से छात्रों में इस भाषा सीखने में रुचि जागृत होगी और विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रेरणा मिलेगा। सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को सलाह दी कि जो छात्र उर्दू माध्यम से मैट्रिक और 12 वीं में परीक्षा देना चाहते हैं उन्हें गैर-उर्दू केंद्र में प्रवेश दिया जाना चाहिए। वर्तमान में एनआईओएस उर्दू छात्रों को केवल उन्हीं स्थानों पर प्रवेश लेने की अनुमति देता है जहां उर्दू केंद्र स्थापित हैं, जबकि अधिकांश शहरों में उर्दू केंद्र उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण छात्र परीक्षा में बैठने से वंचित रह जाते हैं, जो उनके अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि उर्दू छात्र एनआईओएस उर्दू केंद्र में अध्ययन किए बिना भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं क्योंकि देश में कई संगठन और शैक्षणिक संस्थान इन छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करते हैं जिससे लाभ उठाकर वे परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए हम मांग करते हैं कि एनआईओएस सभी उर्दू माध्यम के छात्रों को प्रवेश दे तथा कांटेक्ट क्लास की आवश्यकता को हटा दे। यदि एनआईओएस द्वारा यह अनुरोध स्वीकार कर लिया जाता है तो उर्दू छात्रों को आगे की शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

अहिंसा, क्षमा, समझ व प्रेम, दिल छू लेगा "जैन संदेश" -डॉ. इंजीनियर राजेंद्र जैना

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अहिंसा, क्षमा, समझ और प्रेम का जैन समाज ने हमेशा ही अनुसरण किया है, भगवान महावीर के आदर्शोंऔर कार्यों के माध्यम से, यह सीरीज़ दर्शकों को जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों जैसे शांति, प्रेम और सहिष्णुता का एहसास कराएगी, यह सीरीज एक सशक्त और प्रेरणादायक कहानीके रूप में प्रस्तुत की गयी है, जो न केवल परिवार के हर सदस्य के लिए, बल्कि सभीआयु और धर्म व वर्गों के दर्शकों के लिएएक प्रेरणा बन सकती है, यह कहना था डॉ. इंजीनियर राजेंद्र जैना का जिन्होंने प्रेसक्लब में मीडिया को सम्बोधित करते हुए अपनी आनेवाली सीरीज ₹जैन संदेश₹ के विषय में बताया जो जल्दही ओटीटी प्लेटफार्म् पर रिलीज़ होने वाली है, उन्होंने आगे बतायाकि यह सीरीज ₹जो एक परिवारिक ड्रामा है और इसमें जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों औरजैन धर्म की शिक्षाओं का संदेश दिया गया है। इस सीरीज के के पहले सीज़न में 5 एपिसोड्स जल्द ही भारत के प्रमुख ओ टी टी प्लेटफार्म्स जैसे हंगामा, एयरटेल एक्सट्रीम, वोडाफोन, टाटा प्ले बिंज और वाचो पर प्रसारित होगी। जे. आर. एंटरटेनमेंटस, जो दिल्लीका एक जाना-माना प्रोडक्शन हाउस है, ने इस सीरीज़ का निर्माण किया है। इसके संस्थापकऔर प्रमुख डॉ. इंजीनियर राजेंद्र जैना, जिन्होंने इस परियोजना को अपनी भावनाओं और सिनेमाके प्रति गहरी रुचि के साथ आकार दिया है। सीरीज़ के प्रमुख किरदारों में डॉ. इंजीनियर राजेंद्र जैना, राज राय, श्रद्धा वासदेव, रेनूपहाड़ी बसी, और श्याम सुन्दर शामिल में हैं। क्रिएटिव टीम में डॉ.इंजीनियर राजेंद्र जैना ने लेखन (स्क्रीनप्ले और संवाद) किया है, जबकि डॉ. श्रेयन्सजैन ने इसका निर्देशन किया है। संगीत तुषार व्यास, सिनेमाटोग्राफी अमरेश सिंह, संपादन भी तुषार व्यास, प्रोडक्शन डिज़ाइनडॉ अजय जैन एवं शरली जैन , कार्यकारी निर्माता डॉ. अजय जैन है। जे. आर एंटरटेनमेंट ने फिल्मों, सीरीज, वेब सीरीज और संगीत वीडियो के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है, जे. आर एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन हाउस ने कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नॉटी @ फोर्टी, द लाल और कई अन्य ऑडियो और वीडियो सीडी जैसे द हरजाई, एक ही नाम साईं राम, और अइया-अइया सुकु-सुकु और धारावाहिक आखिरी पड़ाव व कई थिएटर लिखे, निर्मित और मंचित किए हैं। प्रोडक्शन हाउस ने गायन और नृत्य के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन करने के लिए 15 से अधिक टैलेंट हंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।इस अवसर पर आनंद किशोर ने कहा की जे. आर. एंटरटेनमेंट ने फिल्म, सीरीज़, वेब सीरीज़ और म्यूजिक वीडियो के निर्माण में भी अपनीप्रतिबद्धता दिखाई है। आने वाले समय में, डॉ. इंजीनियर राजेंद्र जैना के जीवन पर आधारितबायोपिक फिल्म का निर्माण भी जल्द शुरू होने वाला है, जो उनकी जीवन यात्रा और समर्पणको दर्शाएगी। जे. आर. एंटरटेनमेंट का उद्देश्य दिल्ली और अन्य क्षेत्रों के कलाकारों केलिए एक मंच प्रदान करना है, जिससे उन्हें लगातार काम मिल सके और उचित मूल्य पर यह अवसरप्राप्त हो सके।

प्रधानमंत्री को पता है कि 48 विधायकों में से किसी के पास सरकार चलाने की योग्यता नहीं है : आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के नतीजे आए दस दिन हो चुके हैं लेकिन अभी तक भाजपा दिल्लीवालों को मुख्यमंत्री नहीं दे पाई है। मुख्यमंत्री को लेकर चल रही खींचतान को लेकर आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'विपदा' सरकार में अंदरूनी कलह के कारण दस दिन बाद भी दिल्ली को मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। इससे यह साफ हो गया है कि भाजपा के पास कोई सीएम चेहरा नहीं है। प्रधानमंत्री को भी पता है कि उनके 48 विधायकों में से किसी के पास सरकार चलाने की योग्यता नहीं है। इन विधायकों का एकमात्र काम दिल्ली के पैसे की लूट और बंदरबांट करना है। इन विधायकों पर भरोसा नहीं होने के कारण ही प्रधानमंत्री दस दिन बाद भी किसी को दिल्ली का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए हैं।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि आज दिल्ली चुनाव के नतीजे आए दस दिन बीत गए हैं। 8 फरवरी को चुनाव के नतीजे आए। जिसके बाद दिल्लीवालों को उम्मीद थी कि भाजपा अपने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी। 10 फरवरी तक शपथ ग्रहण समारोह होगा और उसके तुरंत बाद दिल्लीवालों का काम शुरू होगा। लेकिन दिल्ली की जनता इंतजार करती रह गई लेकिन आज 10 दिन बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री पर निर्णय नहीं ले पाई है।

आतिशी ने कहा कि आज दिल्लीवालों के सामने यह साबित हो गया है कि भाजपा के पास मुख्यमंत्री का कोई भी चेहरा नहीं है। दिल्ली की सरकार चलाने के लिए भाजपा के पास एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे चुनकर वह मुख्यमंत्री बना सकते हैं। आज यह बिल्कुल साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपने 48 विधायकों में से किसी पर भी भरोसा नहीं है। उनको पता है कि इन 48 विधायकों में से एक भी विधायक सरकार चलाने की योग्यता नहीं रखता है। मोदी जी को पता है कि इन 48 विधायकों का काम केवल लूट-खसोट करना, दिल्ली की जनता को लूटना और उनके पैसे की बंदरबांट करना है। इसलिए दस दिन बीतने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी इन 48 विधायकों में से एक विधायक पर भी भरोसा नहीं कर पाए हैं और उसे मुख्यमंत्री नहीं बना पाए हैं।

आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को पता है कि भाजपा ने 15 साल तक दिल्ली नगर निगम में सरकार चलाई और उनके एक-एक पार्षद ने केवल दिल्लीवालों को लूटने का काम किया। उन्होंने एमसीडी के खजाने को लूटने और उसे कंगाल करने का काम किया। इसलिए वह अपने 48 विधायकों में से एक पर भी भरोसा नहीं कर रहे हैं कि उनका एक भी विधायक सरकार चला सकता है। उन्हें पता है कि भाजपा के विधायक सिर्फ दिल्लीवालों को लूटने का काम करेंगे और उनके खजाने को खाली करने का काम करेंगे।

आतिशी ने कहा कि आज सभी दिल्लीवासियों के सामने यह साफ हो गया है कि भाजपा के पास मुख्यमंत्री बनने योग्य एक भी विधायक नहीं है। भाजपा के पास सीएम बनने लायक कोई नहीं है। इसलिए अगर इनके पास मुख्यमंत्री बनने लायक ही कोई नहीं है तो ये दिल्ली की सरकार कैसे चलाएंगे? भाजपा के पास दिल्लीवालों के लिए कोई विजन नहीं है। उनके पास दिल्लीवालों के लिए काम करने का कोई प्लान नहीं है। अब चुनाव के बाद यह कड़वी सच्चाई दिल्लीवालों के सामने आ गई है।

नोएडा जैन समाज की 1500 किमी लंबी अहिंसामयी धर्म पद यात्रा को सहयोग और पूर्ण समर्थन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। विश्व जैन संगठन नोएडा शाखा कार्यकारिणी द्वारा सेक्टर 27 जैन मंदिर जी में विराजमान पूज्य मुनि श्री 108 जय कीर्ति महाराज से और मंदिर जी प्रबंधक समिति से बलबीर नगर, दिल्ली से 1500 किमी लंबी 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान और अहिंसा के प्रचार के साथ गिरनार जी धर्म पद यात्रा के लिए आशीर्वाद और मार्गदर्शन के लिए आज 17 फरवरी 2025 को निवेदन किया गया।

विश्व जैन संगठन, नोएडा शाखा के अध्यक्ष के. के. जैन ने बताया कि पूज्य मुनि जय कीर्ति महाराज ने धर्म पद यात्रा किए मंगल आशीर्वाद देते हुए संगठन के पद यात्रा के संकल्प को जन जागृति के लिए आवश्यक बताते हुए सभी को यात्रा में बढ़ चढ़ कर सम्मिलित होने का मार्गदर्शन दिया।

संगठन के महामंत्री श्री दिनेश जैन ने बताया कि नोएडा सेक्टर 27 जैन मंदिर जी प्रबंधक समिति के प्रधान पवन जैन को संगठन की और से पद यात्रा में सहयोग हेतु पत्र सौंपा गया। प्रधान पवन जैन ने पूज्य मुनि श्री के सानिध्य में मंदिर जी प्रबंधक समिति और नोएडा समाज की और से धर्म पद यात्रा में पूर्ण सहयोग और समर्थन देने का वीडियो संदेश जारी किया।

संगठन की नोएडा शाखा द्वारा मंदिर जी प्रबंधक समिति के पूर्ण समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन ने बताया कि सिकंदराबाद (उत्तर प्रदेश) से संगठन के विश्वास नगर कार्यालय में आए पवन जैन ने सिकंदराबाद समाज की और से पद यात्रा में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और पवन जैन के साथ आए विश्वास नगर से वेद प्रकाश जैन, छोटा बाजार से विनीत जैन और तेलीवाड़ा से नमन जैन ने पद यात्रा में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सभी को पद यात्रा के प्रचार के लिए हैंडबिल दिए गए।

अमेजन एम एक्स से शुरू कीजिए प्यार के प्रोफेसर से लव सीखना

सुषमा रानी

नई दिल्ली के बिग ओडियन मल्टीप्लेक्स पर अमेजन एम एक्स पर इस वेलेंटाइन डे से शुरू हो रही नई लव रोमांच और कॉमेडी सीरीज प्यार का प्रोफेसर का स्पेशल रेड कारपेट शो हुआ तो यहां दिल्ली फैशन मॉडलिंग और स्टेज जगत के कई नामचीन चेहरों की मौजूदगी ने यह तो साबित कर ही दिया कि दर्शको की हर क्लास में इस प्यार मस्ती भरी सीरीज का किस बैचेनी से इंतजार है। युवा निर्देशक अक्षय चौबे और यंग राइटर प्रणव सचदेव ,अश्विन वर्मन एवं अक्षय चौबे ने इस सीरीज को लव को सीखने और इसे उन पुरुषों को अगर चालू शब्दों में कहा जाए तो लड़कियां कैसे पटाई जाए के फार्मूले पर बनी इस सीरीज को दिल्ली एनसीआर की बेहद खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया और पहले से प्लानिंग कर लिया थाऐसे बोल्ड सब्जेक्ट पर बनी इस सीरीज को वेलेंटाइन डे के खास मौके पर ऑन एयर किया जाए और जब इस सीरीज के पहले दो एपिसोड इस मल्टीप्लेक्स में दिखाए गए तो हॉल में मौजूद हर उम्र समूह के दर्शको ने जमकर तालियां बजाकर यहां मौजूद इस सीरीज के मेकर और स्टार्स को यह जता दिया कि उनका यह प्रयास पूरी तरह से सफल और कामयाब है। इस सीरीज में संदीपा धर और प्रणव सचदेव की लोकप्रिय जोड़ी लीड किरदार में है तो वहीं महेश बलराज, अलीशा चोपड़ा, बबला कोचर जैसे अनुभवी कलाकारों की मंझी हुई एक्टिंग ने इस सीरीज को और शानदार बना दिया। अगर हम प्यार का प्रोफेसर की स्टोरी की बात करे तो यह कहानी दिल्ली की एक मिडिल क्लास फैमिली के युवा वैभव की है वैभव ने बचपन से ही अपने मम्मी डैडी के बीच की दूरियां और हर छोटी छोटी बात पर तकरार के बीच अपना बचपन गुजारा, डैडी के साथ एक दूसरे के विचारों के पूर्ण विरोधाभास के बावजूद वैभव ने अपनी राह खुद ही चुनी।

भाजपा ने चुनाव आयोग, धन, बल और छल का इस्तेमाल किया, फिर भी दिल्ली के 43.6 फीसद मतदाता अरविंद केजरीवाल के साथ हैं- गोपाल राय

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक और पूर्व मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश संगठन मंत्री और जिलाध्यक्षों के साथ अहम बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की। उन्होंने कहा कि सदन के अंदर आम आदमी पार्टी के विधायक और सड़क पर पार्टी का संगठन दिल्ली की जनता के हितों की रक्षा करेगा। हम भाजपा की हर जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएंगे और दिल्लीवालों से किए सारे वादे पूरे करने के लिए उस पर दबाव बनाएंगे। भाजपा ने चुनाव आयोग, धन, बल और छल का खुलकर इस्तेमाल किया। इसके बाद भी दिल्ली के 43.6 फीसद मतदाता आज भी अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। दिल्ली चुनाव के नतीजे आए 10 दिन हो गए, लेकिन अभी तक भाजपा मुख्यमंत्री तय नहीं कर पाई है, जो यह बताता है कि उसके पास न तो कल कोई मुख्यमंत्री चेहरा था और न आज है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को 43.6 फीसद वोट दिया। वहीं भाजपा को 45.6 फीसद वोट दिया। भाजपा को आम आदमी पार्टी से केवल 2 फीसद वोट ज्यादा मिले। जबकि भाजपा ने दिल्ली के अंदर चुनाव आयोग की नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाईं। धन, बल और छल का उपयोग किया। इसके बावजूद भी दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के ऊपर भरोसा करते हुए और सभी दबाव व प्रभाव को नकार दिया और दिल्ली के 43.6 फीसद मतदाताओं ने सरेआम इस बात का एलान किया कि वह अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। यह एक बहुत बड़ी बात है।

गोपाल राय ने बताया कि हमने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में हमने यह निर्णय लिया है कि संगठन पूरी ताकत के साथ दिल्ली की जनता के साथ खड़ा रहेगा। हम उनके साथ मिलकर उनका सहयोग करेंगे और अगर भाजपा किसी जन विरोधी नीति की तरफ बढ़ती है तो हम उसके खिलीफ आवाज उठाएंगे। हमारी सरकार ने जो काम किए, उसे हमारे प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक हमारा संगठन इन्हें सतर्क करके और इनके सामने हमेशा प्रश्न चिन्ह लेकर खड़ा रहेगा। ताकि भाजपा ने जनता से जो वादे किए हैं उसकी सरकार उन्हें पूरा करे।

गोपाल राय ने कहा कि 19 फरवरी को पार्टी के सभी 70 विधानसभा के प्रभारी व जिला सचिव, सभी विधानसभाओं के अध्यक्ष और संगठन मंत्रियों की बैठक बुला रहे हैं। इसमें विधानसभा स्तर से सबका फीडबैक लिया जाएगा। इसके बाद 22 फरवरी को हम पार्टी के सभी फ्रंटल संगठन के प्रदेश पदाधिकारी, अध्यक्ष, संगठन मंत्री, उपाध्यक्ष और सचिव की बैठक करेंगे, जिसमें चुनाव के दौरान सभी की भूमिका की समीक्षा की जाएगी। विधानसभा के बाद हम धीरे-धीरे नीचे मंडल स्तर पर संगठन के पुनर्गठन को आगे बढ़ाएंगे। इस तरह हमारा विधायक दल विपक्ष की भूमिका में जनता के हितों के लिए खड़ा होगा और वहीं सड़क पर हमारा संगठन मजबूती से आगे बढ़ेगा। इस दिशा में हम एक-एक कदम आगे बढ़ाएंगे।

गोपाल राय ने कहा कि हम यह इंतजार कर रहे थे कि भाजपा पहले मुख्यमंत्री का चयन कर ले और दिल्ली में मंत्रिमंडल बन जाए, उसको देखते हुए हम अपनी रणनीति बनाएंगे, लेकिन अब उनका इंतजार करते-करते हम निराश हो गए हैं। भाजपा को जनादेश तो मिल गया, लेकिन उसके अंदर अभी अपने हितों के लिए संघर्ष चल रहा है। दिल्ली के लोगों ने इतने बड़े पैमाने पर हमें समर्थन दिया है। उनकी रक्षा के लिए और उनकी आवाज को बुलंद करने के लिए आम आदमी पार्टी ने चरणबद्ध तरीके से आज से अपना संगठनात्मक दौर शुरू किया है। आगामी दिनों में हम इसे और भी मजबूत करेंगे। हम कल भी दिल्ली के लोगों की आवाज थे और आगे भी उनकी आवाज बनेंगे।

गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर भी हो सकता है नई दिल्ली जैसा हादसा, चौंका देंगे ये हालात

गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के बीच यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। प्लेटफॉर्म पर लोहे की दीवार और स्टॉल के कारण जगह की कमी हो गई है जिससे लंबी दूरी की ट्रेनों में चढ़ने के दौरान यात्रियों की भीड़ को संभालना मुश्किल हो रहा है। हाल ही में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ हुई थी।

गुरुग्राम। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात प्रयागराज जाने के लिए प्लेटफार्म पर उमड़ी भीड़ के दौरान भगदड़ होने से कई यात्री मारे गए। गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर भी इस तरह का हादसा कभी भी हो सकता है।

इसका कारण यह है कि यहां पर स्टेशन की नई बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है और निर्माण के लिए प्लेटफार्म की आधी दूरी में लोहे की दीवार लगाई गई है। इससे प्लेटफार्म पर कई जगहों पर सिर्फ पांच से दस फीट जगह ही बची है। लंबी दूरी वाली ट्रेनों में चढ़ने के दौरान यहां पर यात्रियों की भीड़ को संभालना मुश्किल हो रहा है।

योजना पर खर्च किए जा रहे करीब 300 करोड़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के अन्य रेलवे स्टेशनों के साथ गुड़गांव रेलवे स्टेशन का कायाकल्प भी हो रहा है। इस योजना पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। 26 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया था।

नई बिल्डिंग बनाने का काम दिल्ली की विरेंद्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। पुरानी बिल्डिंग को लगभग तोड़ दिया गया है। स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट गेट भी अस्थाई बनाया गया है। पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने के साथ ही प्लेटफार्म संख्या एक पर कई जगहों पर लोहे की अस्थाई दीवार बना दी गई।

स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के पास दीवार के आगे पांच-छह स्टाल भी हैं। इन सब कारणों से प्लेटफार्म पर यात्रियों के खड़े होने के लिए जगह ही नहीं बची है। बमुश्किल पांच से दस फीट चौड़ाई वाले इस प्लेटफार्म पर लंबी दूरी की ट्रेनों के आगमन के दौरान काफी भीड़ हो जाती है।

वहीं, आरपीएफ और जीआरपी के लिए यात्रियों की भीड़ को संभालना और सही तरीके से उन्हें ट्रेन में चढ़ाना काफी मुश्किल हो जाता है। सबसे ज्यादा समस्या यहीं पर है। इसके अलावा भी इस प्लेटफार्म व प्लेटफार्म दो व तीन पर भी कई जगह पर लोहे की दीवार बनाई गई है। यहां पर भी यात्रियों को काफी परेशानी होती है।

चेतक, भुज बरेली एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के आने पर होती है दिक्कत

चेतक एक्सप्रेस ट्रेन प्रतिदिन रात आठ बजे दिल्ली सराय रोहिला से चलकर गुड़गांव रेलवे स्टेशन से होते हुए रींगस स्टेशन से आगे उदयपुर जाती है। गुड़गांव रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु खाटूश्यामजी के दरबार जाने के लिए इसी ट्रेन से यात्रा करते हैं। इससे प्रतिदिन रात आठ बजे यहां भीड़भाड़ वाली स्थिति रहती है। हर महीने आने वाली दो एकादशी की तिथियों पर इस ट्रेन में खाटूश्यामजी जाने वाले श्रद्धालुओं की और अधिक भीड़ रहती है। इसे संभालना चुनौती भरा रहता है।

एकादशी की तिथियों पर ही पहले भी कई बार भीड़ अधिक होने और ट्रेन का दरवाजा नहीं खुलने से यात्री ट्रेन में तोड़फोड़ भी कर चुके हैं। इस समय जब प्लेटफार्म पर लोहे की दीवार और स्टाल लगे हैं, तो भीड़ को संभालना काफी मुश्किल भरा हो रहा है। इसके अलावा भी भुज बरेली एक्सप्रेस और दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर ट्रेन के आने के दौरान भी प्लेटफार्म पर भीड़ बढ़ रही है।

रविवार को प्लेटफार्म पर तैनात दिखे आरपीएफ और जीआरपी जवान

शनिवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसे के बाद रविवार को पड़ताल के दौरान आरपीएफ और जीआरपी जवान प्लेटफार्म पर भीड़ को नियंत्रित करते दिखे। दोपहर पौने एक बजे दिल्ली से रेवाड़ी जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के आने पर प्लेटफार्म संख्या एक पर काफी भीड़भाड़ रही। पुलिसकर्मियों ने प्लेटफार्म पर मौजूद लोगों से जानकारियां भी लीं। खाली घूमने आए लोगों को स्टेशन से बाहर भी किया। वहीं यह भी पता चला कि नई दिल्ली में हादसे के बाद सभी स्टेशनों पर पुलिसकर्मियों की छुट्टियां 27 फरवरी तक रद कर दी गई हैं।

प्लेटफार्म पर कुछ जगहों पर लोहे की दीवार बनाई गई है। दीवार और स्टाल के कारण कुछ जगहों पर जगह कम बची है। कुछ ऐसी ट्रेनें हैं, जिनमें भीड़ रहती है। उन ट्रेनों के आने पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करना चुनौती भरा होता है। ऐसे समय में आरपीएफ के सभी जवानों को तैनात किया जाता है। आगे भी इसी तरह की सजगता बरती जाएगी। - इंस्पेक्टर नवल किशोर, प्रभारी,

अब घर बनाना होगा महंगा, एक अप्रैल से लागू हो रहा नया नियम; जानिए कितनी हो जाएगी लागत

यमुना प्राधिकरण में अब घर बनाना महंगा होने जा रहा है। यह नया नियम एक अप्रैल से लागू हो रहा । यमुना प्राधिकरण की आवासीय दर 30 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से अधिक हो सकती हैं। वर्तमान में आवासीय श्रेणी में संपत्ति की दर 25900 रुपये प्रति वर्गमीटर है। आवासीय के अलावा औद्योगिक संस्थागत श्रेणी में आवंटन दरों में इजाफा हो सकता है।

ग्रेटर नोएडा। एक अप्रैल के बाद यमुना प्राधिकरण में घर बनाना महंगा हो जाएगा। एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए प्राधिकरण संपत्ति की आवंटन दर में वृद्धि करेगा। आवासीय दर में अब तक की सर्वाधिक बढ़ोतरी होने की संभावना है।

यमुना प्राधिकरण की आवासीय दर 30 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से अधिक हो सकती हैं। वर्तमान में आवासीय श्रेणी में संपत्ति की दर 25,900 रुपये प्रति वर्गमीटर है। आवासीय के अलावा औद्योगिक, संस्थागत श्रेणी में भी संपत्ति की आवंटन दरों में बढ़ोतरी होगी।

पिछले साल कितनी हुई थी बढ़ोतरी?

यमुना प्राधिकरण में संपत्ति की आवंटन दरों में प्रति वर्ष बढ़ोतरी हो रही है, पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद से संपत्ति की आवंटन दरों में अनुपातिक तौर पर अधिक वृद्धि हुई है। पिछले साल यमुना प्राधिकरण ने आवासीय श्रेणी में संपत्ति की आवंटन दर में लगभग पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, पर इस बार यह 10 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।

इससे प्राधिकरण क्षेत्र में घर खरीदने वालों पर सीधा असर होगा। कीमत बढ़ने व एकमुश्त भुगतान का नियम लागू होने से लोगों को जमीन खरीदने के लिए मोटी रकम देनी होगी। यीडा अधिकारियों का कहना है कि नये वित्त वर्ष के लिए संपत्ति की आवंटन दरों को तय किया जा रहा है। एक अप्रैल से नई दरें लागू हो जाएंगी।

मुआवजा बढ़ोतरी का सीधा असर आवंटन दर पर

प्राधिकरण अभी तक किसानों को अधिगृहीत जमीन के एवज में 3,100 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से मुआवजा देता है, पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रभावित किसानों की मांग पर प्रदेश सरकार ने एयरपोर्ट की अधिगृहीत जमीन की मुआवजा दर बढ़ाकर 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दी है।

एयरपोर्ट प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में है। इसलिए एयरपोर्ट प्रभावित जमीन की मुआवजा दर और प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में जमीन की मुआवजा दर समान रखने की चुनौती बढ़ गई है। अन्यथा की दशा में किसानों से जमीन मिलना मुश्किल हो जाएगा। मुआवजा दर 3,100 रुपये प्रति वर्गमीटर से सीधे 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर होने का सीधा असर प्राधिकरण की संपत्ति की आवंटन दर पर होगा।

कैसे निर्धारित होगी मुआवजे की दर?

प्राधिकरण अपने क्षेत्र में जमीन की मुआवजा दर बोर्ड के जरिये तय करता है। प्राधिकरण क्षेत्र में सर्किल रेट 1,150 रुपये प्रति वर्गमीटर है। कानून के तहत ग्रामीण क्षेत्र में चार गुना व शहरी क्षेत्र में दो गुना मुआवजा के हिसाब दर निर्धारण होता है, पर 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर मुआवजा दर तय करने का फैसला प्रदेश कैबिनेट से होगा।

आवासीय संपत्ति की दरें

वर्ष	आवंटन दर (रुपये प्रति वर्गमीटर)
2024-25	25900
2023-24	24600
2022-23	18510
2020-21	
17800 (200 वर्गमीटर तक)	
17400 (200 वर्गमीटर से अधिक)	

गाजियाबाद में आशियाना बसाने का सुनहरा मौका, नई हाईटेक टाउनशिप का काम हुआ तेज

अगर आप एनसीआर में अपना घर बसाना चाहते हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। दरअसल गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की हरनंदीपुरम टाउनशिप योजना के तहत गाजियाबाद में नई Harnandipuram Township Scheme का निर्माण किया जा रहा है। इस टाउनशिप को दो चरणों में बसाया जाएगा। पहले चरण में पांच गांवों की करीब 334 हेक्टेयर भूमि को शामिल किया जाएगा। इस टाउनशिप में कई हाईटेक सुविधाएं मिलेंगी।

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से राजनगर एक्सटेंशन के निकट हरनंदीपुरम टाउनशिप को दो चरणों में बसाने की तैयारी है। पहले चरण में पांच गांव की करीब 334 हेक्टेयर भूमि को शामिल किया जाएगा, जिसमें मथुरापुर, शमशेर, चंपतनगर, भनेड़ाखुर्द और नंगला फिरोज मोहनपुर शामिल होंगे।

दूसरे चरण में होल्ड पर रखे गए भोवापुर, शाहपुर निज मोरटा और मोरटा गांव को शामिल किया गया है। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि नई टाउनशिप के लिए कई प्रकार की भूमि शामिल है। इसमें ग्राम समाज की करीब 27 हेक्टेयर भूमि के अलावा 462 काश्तकारों की जमीन और पूर्व में जीडीए द्वारा अर्जित 19 हेक्टेयर भूमि और 11 हेक्टेयर प्राधिकरण के पास लैंड बैंक मौजूद है। नई टाउनशिप हाईटेक, इसमें रेन वाटर हार्वेसिटिंग सिस्टम के लिए कंट्रोल रूम होगा, जिससे ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम पर नजर रखी जाएगी। पानी और बिजली बचाने के लिए साथ ही जल प्रबंधन सिस्टम एआई बेस्ड होगा। पानी का पाइप कहीं भी लीकेज होगा तो वह भी एआई के माध्यम से पता चल जाएगा। टाउनशिप में अधिकांश सौर ऊर्जा का प्रयोग होगा। स्ट्रीट लाइट भी सोलर पावर से रोशन होंगी। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी हरनंदीपुरम टाउनशिप ने रफ्तार पकड़ ली है। हरनंदीपुरम टाउनशिप को विकसित करने का जिम्मा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) को सौंपा गया है। जीडीए परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण करने के लिए आठ गांवों (मथुरापुर, शमशेर, चंपतनगर, भनेड़ाखुर्द, नंगला फिरोज मोहनपुर, भोवापुर, शाहपुर निज मोरटा और मोरटा गांव) की पहचान की है।

ये गांव दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के साथ राज नगर एक्सटेंशन के पास स्थित हैं। सरकारी अनुमान के अनुसार, इस परियोजना के लिए लगभग 521 हेक्टेयर भूमि की जरूरत है जिसे मौजूदा इंदिरापुरम टाउनशिप की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के लाखों लोगों को मिलेगी बड़ी राहत, गौर चौक पर खत्म होगी जाम की समस्या

ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए गौर चौक पर अंडरपास का निर्माण शुरू हो गया है। इसके बनने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट और गाजियाबाद के लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। 18 महीने में बनकर तैयार होने वाले इस अंडरपास से गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा पूर्व की ओर से आने वाले वाहन चालकों को बिना किसी रुकावट के आवाजाही करने में आसानी होगी।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जाम से निजात को गौर चौक पर अंडरपास का निर्माण शुरू है। ये 18 माह में पूरा होगा। इससे गाजियाबाद व ग्रेटर नोएडा पूर्व की ओर आने वाले वाहन चालक बिना रुकावट के आवाजाही कर सकेंगे। गौर चौक पर जाम समाप्त होने से प्रतिदिन गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

क्यों अटका हुआ था अंडरपास का काम?

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौर चौक पर घंटों लगाने वाले जाम की समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण ने अंडरपास की योजना तैयार की थी। सर्दियों के दौरान इस पर काम भी शुरू हुआ, पर एनसीआर में प्रदूषण से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू होने से अंडरपास निर्माण भी अटक गया। अब अंडरपास का निर्माण शुरू है।

अंडरपास बनने में कितने रुपये होंगे खर्च?

गोलचक्कर से काम की शुरुआत की गई है। पुलिस लाइन से गाजियाबाद को जोड़ने वाले मार्ग पर अंडरपास बनने से वाहनों की आवाजाही निर्बाध होगी।

अंडरपास के निर्माण पर 82 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 18 माह में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। अंडरपास की कुल लंबाई 760 मीटर व चौड़ाई 30 मीटर है। इसके दोनों तरफ 250-250 मीटर के रैंप होंगे।

प्रकाश की सुविधा के लिए लाइट व जल निकासी की योजना भी बनाई गई है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार का कहना है कि अंडरपास का निर्माण शुरू है। इसे तय समय में पूरा कराकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जाम से राहत दिलाई जाएगी। वाहनों के दबाव को देखते हुए अन्य सड़कों को भी चौड़ा किया जा रहा है।

एयरपोर्ट के कारण सड़कों पर बढ़ेगा वाहनों का दबाव

नोएडा एयरपोर्ट अप्रैल में शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट आने-जाने के लिए यात्री सड़क मार्ग का उपयोग करेंगे। गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, उत्तराखंड की ओर से आने वाले वाहन ग्रेटर नोएडा से गुजरते हुए एयरपोर्ट तक पहुंचेंगे। इससे ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर दबाव काफी बढ़ेगा।

पुलिस कमिश्नर की ओर से भी एयरपोर्ट के कारण यातायात का दबाव बढ़ाने पर सड़कों का चौड़ीकरण कराने एवं अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए पत्र लिखा जा चुका है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बस की टक्कर से कार पलटी, तीन लोगों की मौत

उधर, रविवार की दोपहर यमुना एक्सप्रेसवे पर टप्पल इंटरचेंज के पास बड़ा हादसा हुआ। महाकुंभ से अपने घर जम्मू लौट रहे तीन दोस्तों की कार को तेज रफ्तार बस ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार डिवाइडर किनारे पलट गई। पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तीन लोगों की मृत्यु हो गई। इनमें दो दोस्त और तीसरे की पत्नी शामिल है। कार में पांच लोग थे। दो की हालत गंभीर है।

मातृ पितृ पूजन दिवस का आगाज़-, माता-पिता से गुस्ताखी अक्षम्य अपराध

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ में भारत की प्रतिष्ठा एक सुसंस्कारी आध्यात्मिक संस्कृति मान्यताओं प्रथाओं महिलाओं को देवी तुल्य स्थान व माता-पिता को संपूर्ण सृष्टि में श्रेष्ठ स्थान पर देखा जाता है। परंतु वर्तमान कुछ दशकों से पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारत पर भी पड़ती हुई दिखाई दे रही है। यह मेरी निजी राय है कि वर्तमान मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजंस (अमेंडेड) एक्ट 2019 नाकाफी व अपर्याप्त सिद्ध होरहा है।अब समय आ गया है कि माता-पिता बुजुर्गों के साथ दुर्व्यहर, बुरा व्यवहार, अपमान व प्रताड़ित करने से रोकने के लिए एक जन जागरण अभियान की जरूरत है जिसे मातृ-पितृ दिवस के रूप में हर शहर हर गांव हर मोहल्ले में मनाकर जनजागरण करने की खास जरूरत है।इसी कड़ी में मैं रविवार दिनांक 16 फरवरी 2025 को रईस सिटी गोंदिया के संत कंवरराम मैदान पर रात्रि चल रहे मातृ-पितृ पूजन दिवस की ग्राउंड रिपोर्टिंग की, जहां माता-पिता को सम्मान देने के गुण सिखाने, मार्गदर्शन करने व माता-पिता की पूजा आरती घुमाकर करने, उनके चरणों में करीब 10-15 मिनट शीष झुककर क्षमादान माँगने का क्रम मैं देखकर गदगद हो उठा और इस विषय पर तुरंत आर्टिकल लिखने की ठानी और प्रक्रिया शुरू कर दी। चूँकि भारतीय संस्कृति माता-पिता का सम्मान व पूजन के लिए है, परंतु इसके विपरीत आज उनका अपमान प्रताड़ना कर उनका उपहास उड़ाया जाता है, जिसे रोकने के लिए यह जनजागरण अभियान चलाया गया था। करीब 14 वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है, जिसे हर शहर गांव मोहल्ले में हर समाज धर्म जाति को मातृ- पितृ पूजन दिवस मनाने की खास जरूरत है, विशेषकर इसे किसी पाश्चात्य मौज के दिवस पर मानना, मेरे विचार से बेहतर रहेगा। चूँकि माता-पिता गुरुजनों के हम ऋणी हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करके, आशीष पाकर जीवन में आगे बढ़ाने के अवसर हैं, तथा वर्तमान डिजिटल व पाश्चात्य प्रवृत्ति युग में युवाओं को माता-पिता के लिए समय नहीं है, इसीलिए माता-पिता पूजन दिवस मनाना जन जागरण के लिए सराहनीय कार्य है। इसलिए आज हम ग्राउंड रिपोर्टिंग के आधार पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मातृ पितृ पूजन दिवस का आगाज़, माता-पिता से गुस्ताखी अक्षम्य अपराध है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में माता-पिता बुजुर्गों के अपमान की करें तो, वैश्विक स्तरपर इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के सहयोग से देख पढ़ सुन रहे हैं कि दुनियाँ में असंख्य माता पिता वह सीनियर सिटीजन बुजुर्ग व्यक्ति हैं जो अपनी संतान की दुत्कार सह रहे होंगे। आज मॉडर्न सोसाइटी का तर्क देकर माता-पिता, बुजुर्गों से दुर्व्यवहार किया जाता है। आज थोड़ी-थोड़ी बात पर माता-पिता बुजुर्गों को कहा जाता है कि चुपचाप बैठो, तुमको क्या समझता है, तुम सठिया गए हो अगर पिता पढ़ा लिखा है तो पढ़ा लिखा गंवार या बुजुर्ग गवार की संख्या दी जाती है।हालांकि भारत एक आध्यात्मिक, माता पिता का संबंध, बुजुर्गों की सेवा करने के विचारों महान मानवों का देश है। परंतु आज वह केवल उदाहरण बनकर रह गए हैं । प्रैक्टिकली अगर माता-पिता बुजुर्गों के जीवन में झांक कर देखा जाए तो आज की तारीख में उन्हें दुत्कार ही मिलती रहती है। मैंने अपनी गोंदिया राइस सिटी में इसे रिसर्च के तौर पर माता-पिता द्वारा 1 साल के बच्चों की परवरिश पर पूरा एक महीना ध्यान रखा था तो देखा वह अपने बच्चों को, माता-पिता अपने पलकों पर बैठा कर प्यार करते हुए ए ग्रेड का पालन पोषण कर रहे थे, तो दूसरी तरफ एक परिवार को देखा जिसमें जिसके दोनों बच्चे मुंबई पुणे और विदेश में रह रहे थे और मां लाचार होकर किचन में तो पिता छोटी सी दुकान पर ! अपनें बुजुर्ग दौर के दिन मेहनत करके काट रहा था।तीसरी जगह देखा तो बच्चे अपने माता-पिता को दुत्कार कर रौब से बात कर रहे थे कि मानो वह उसके माता पिता नहीं उसके घर के नौकर है। यह तीनों ग्राउंड रिपोर्टिंग किस्से देखकर मैं दंग रह गया। यानें बच्चों को हम कितना लाड से पालते पोछते पढ़ाते और लाखों के पैकेज की नौकरी योग्य बनाते हैं कई बार तो उन्हें ढूंढ कर नौकरी भी दिलाते हैं, तो दूसरी ओर वह जाब करने बड़ी सिटियों या विदेश जाकर बस जाते हैं और माता-पिता बुजुर्गों को भूल जाते हैं। अगर बच्चे माता-पिता के साथ भी रहते हैं तो माता- पिता बुजुर्गों को नौकर बना कर रखते हैं, जो भारतीय सभ्यता संस्कृति के लिए शर्म की बात है। जिसे रेखांकित करना होगा।

साथियों बात अगर हम माता- पिता बुजुर्गों के अपमान को रोकने व माता-पिता के सम्मान में एक कानून बनाने की करें तो, हम प्रस्तावित कानून में माता- पिता व वरिष्ठ नागरिक(अत्याचार अपमान दुर्व्यवहार निवारण) विधेयक 2025 की जरूरत की करें तो, हमारा देश महान संतानों की भूमि है, यहां बच्चों से अपने बुजुर्ग माता-पिता की उचित देखभाल करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन पीड़ादायक है कि नैतिक मूल्यों में इस कदर गिरावट आ गई है कि अपना सुख-चैन जिन बच्चों के लिए माता-पिता त्याग कर जीवन खत्म कर देते हैं, वही बच्चे उन्हें बुढ़ापे में दो जून की रोटी और मोहब्बत के लिए तरसा रहे हैं।आजकल कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता से संपत्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें छोड़ देते हैं।जो न सिर्फ दुखद है, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों में निरंतर आ रही गिरावट का प्रतीक भी है।हमारे सामाजिक मूल्यों में तेजी से आ रहे बदलाव की वजह से आज बुजुर्गों को अपनी ही संपत्ति में सुरक्षित रहने और संतानों की प्रताड़ना से बचने के लिये उन्हें अपने स्वअर्जित घर से बेदखल करने के लिए अदालतों की शरण में आना पड़ रहा है. इस तरह की उद्दंड संतानों को माता पिता के घर से बेदखल करने के आदेश भी अदालत दे रही हैं लेकिन यह सिलसिला बदस्तूर जारी हैसामाजिक मूल्यों में आ रहे ह्रास का ही नतीजा है कि संपत्ति के लालच में मौजूदा दौर में बेटा-बहू और बेटी द्वारा अपने माता-पिता को बेआबरू करने की घटनाएं और इससे मजबूर होकर बुजुर्गो द्वारा कानूनी रास्ता अपनाने के मामले बढ़ रहे हैं।परिवारों में बुजुर्ग माता पिता और दूसरे वृद्ध सदस्यों को बोझ समझा जाने लगा है।कई बार तो उन्हें उनके ही स्वअर्जित घर से बेदखल करके दर बदर की ठोकरें खाने के लिये छोड़ दिया जा रहा है या फिर सुशिक्षित बेटे बहू उन्हें वृद्धाश्रम पहुंचा रहे हैं। हमारा देश महान संतान श्रवण कुमार की भूमि है, यहां बच्चों से अपने बुजुर्ग माता-पिता की उचित देखभाल करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन पीड़ादायक है कि नैतिक मूल्यों में इस कदर गिरावट आ गई है कि अपना सुख-चैन जिन बच्चों के लिए माता-पिता त्याग कर जीवन खत्म कर देते हैं, वही बच्चे उन्हें बुढ़ापे में दो जून की रोटी और मोहब्बत के लिए तरसा रहे हैं। आजकल कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता से संपत्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें छोड़ देते हैं. जो न सिर्फ दुखद है, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों में निरंतर आ रही गिरावट का प्रतीक भी है।

साथियों बात अगर हम आदि अनादि काल से भारत माता की धरती पर माता-पिता को सर्वश्रेष्ठ गुरु मानने की करें तो वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत माता की धरती पर माता-पिता को सर्वश्रेष्ठ गुरू मानने के अनेकों या यूं कहें कि अनगिनत उदाहरण से इतिहास भरा पड़ा है परंतु वर्तमान परिपेक्ष में मैं यह महसूस कर रहा हूं कि समाज का एक बहुत बड़ा तबका अपने जीवन शैली को परिवर्तित करने में मुस्तैद है।आदि-अनादि काल से हमारे भगवानों की पूजा अर्चना हो रही थी परंतु वर्तमान समय में उपवास पूजा अर्चना तो क्या उनकी तस्वीर भी हटा दी गई है और बहुत ही जोर-शोर से नए आधुनिक बाबाओ गुरुवारों की सेवा में मुस्तैद हो गए हैं।अलग-अलग स्तरपर उनकी गुरु दीक्षा लेकर केवल उनके ही हो गए हैं।यहां तक कि अपने माता पिता का दर्जा भी अपने उस गुरुवार से कम कर दिया है।मैं देख रहा हूं कि आजकल उन भक्तगणों सेवकों के लिए अपने गुरुवरों की आज्ञा सर्वोपरि हो गईं है, उनपर सर्वस्व निषेश्वर कर देते हैं। जबकि अपने माता-पिता की अवज्ञा करने में बिल्कुल पीछे नहीं हटते उनका सम्मान की जगह अपमान करते हैं, उनके लिए अपने माता-पिता से भी बड़े गुरुवर हो गए हैं जो मेरा मानना है कि उचित नहीं है, मेरे माता-पिता ही सरोवर सर्वोपरि हैं, उसके बाद मेरे गुरुवर हैं। चूंकि शास्त्रों में भी आया है, माता गुरुतरा भूमेःपिता चोच्चत्रं च खात्।भावार्थ-माता पृथ्वी से भारी है।पिता आकाश से भी ऊँचा है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि मातृ पितृ पूजन दिवस का आगाज़-, माता-पिता से गुस्ताखी अक्षम्य अपराध।माता-पिता एवं गुरुजनों के हम ऋणी हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करके आशीष पाकर जीवन में आगे बढ़ने का अवसर है।वर्तमान डिजिटल व पाश्चात्य प्रवृत्ति युग में युवाओं को माता-पिता के लिए समय नहीं, मातृ-पितृ पूजन दिवस से सराहनीय जनजागरण है।

महिंद्रा बीई6 के टॉप वेरिएंट पैक थ्री में मिलते हैं कैसे फीचर्स, क्या होगी रेंज और कीमत ?

परिवहन विशेष न्यूज

महिंद्रा की ओर से कुछ समय पहले ही नई Electric SUV के तौर पर BE6 को लाया गया है। एसयूवी की बुकिंग को भी 14 फरवरी 2025 से शुरू कर दिया गया है। इसके Top वेरिएंट Pack Three में कितनी दमदार बैटरी और मोटर मिलती है। किस तरह के फीचर्स मिलते हैं। कितनी रेंज के साथ इसे लाया जाएगा। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में एसयूवी को ऑफर करने वाली निर्माता Mahindra की ओर से नई Electric SUV के तौर पर Mahindra BE6 को लाया गया है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी के Top वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए जाने वाले Pack Three में किस तरह की खासियतों को दिया जा रहा है। क्या इसे खरीदना आपके लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra कर रही है BE6 को ऑफर

महिंद्रा की ओर से नई जेनरेशन Electric SUV के तौर पर BE6 को कुछ समय पहले ही लॉन्च किया गया है। कंपनी की इस एसयूवी के लिए बुकिंग को भी 14 फरवरी से शुरू कर दिया गया है। ऐसे में इसके Top वेरिएंट Pack Three को कुछ बेहतरीन फीचर्स के साथ लाया गया है। साथ ही इसमें दमदार बैटरी और मोटर को भी ऑफर किया जा रहा है।

Mahindra BE6 Pack Three Battery and Motor

महिंद्रा की ओर से BE6 के Top वेरिएंट Pack Three में 79 kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जा रहा है। जिसे फुल चार्ज के बाद 683 किलोमीटर की MIDC रेंज मिल सकती है। इसमें रेंज को बढ़ाने के लिए रीजनरेशन लेवल को भी दिया गया है। एसयूवी में लगी मोटर से 210 किलोवाट की पावर और 380 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। एसयूवी को सिंगल पेडल ड्राइव के साथ ही रेंज, एवरीडे, रेस, स्नो और कस्टम ड्राइविंग मोड्स के साथ लाया जा रहा है।

Mahindra BE6 Dimensions

महिंद्रा की ओर से BE6 को 4371 एमएम की लंबाई के साथ लाया जाएगा। इसकी चौड़ाई को 1907 एमएम और ऊंचाई को 1627 एमएम रखा गया है। एसयूवी का व्हीलबेस 2775 एमएम है। इसकी ग्राउंड क्लियरेंस 207 एमएम है और सामान रखने के लिए 45 लीटर फ्रंट के साथ 455 लीटर का बूट स्पेस दिया गया है।

Mahindra BE6 Features

महिंद्रा BE6 एसयूवी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जा रहा है। इसके Top वेरिएंट में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, 12.3 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12.3 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रंक के साथ ड्रेन होल, इलूमिनेटड लोगो, सी-शेप एलईडी डीआरएल, सी-शेप एलईडी टेल लैंप, ओआरवीएम टर्न इंडीकेटर्स, रियर स्पॉयलर, इनफिनिटी फिक्स्ड ग्लास पैनोरमिक सनरूफ, फैब्रिक सीट्स, एंबिएंट लाइट्स, 19 इंच अलॉय व्हील, एप स्टोर, हरमन कार्डन के सोलह स्पीकर के साथ ऑडियो सिस्टम, डॉल्बी एटमॉस, आई डेंटिटी, वीडियो कॉलिंग इन कार कैमरा, विजन एक्स, एलेक्सा और चैट जीपीटी, चार्जिंग लिमिटर, कनेक्टिड कार सूट, ड्राइविंग एनालेक्टिस, ओटीए अपडेट, वायरलेस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, पुश बटन स्टार्ट, टिल्ट और टेलीस्कोपिक स्टेयरिंग व्हील, चार्जिंग पोर्ट, टीपीएमएस अलर्ट, क्रूज कंट्रोल, ड्यूल जोन ऑटो एसी, ऑटो हेडलैंप, ऑटो वाइपर, कंसोल स्टोरेज कूलिंग, ऑटो डिप ओआरवीएम, पैसिव की-लैस एंट्री, पावर फोल्ड ओआरवीएम, पावर्ड टेलगेट के साथ जेस्चर कंट्रोल, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट, ऑटो डिमिंग ओआरवीएम, ड्राइवर मेमोरी सीट, वन टच अप/डाउन ड्राइवर विंडो, 360 डिग्री कैमरा, एयर प्यूरीफायर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

Mahindra BE6 Safety Features

महिंद्रा की ओर से BE6 एसयूवी में सेफ्टी के लिए सात एयरबैग, ईएसपी, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज, ब्लाइंड व्यू मॉनिटर, फ्रंट फॉग लैंप, फ्रंट पार्किंग सेंसर, रियर डिफॉगर, रियर पार्किंग सेंसर, रिवर्स कैमरा, विंडशील्ड ऑटो डिफॉगिंग जैसे फीचर्स को दिया जा रहा है।

Mahindra BE6 Price and Delivery time

महिंद्रा की ओर से BE6 के Top वेरिएंट Pack Three की एक्स शोरूम कीमत को 26.90 लाख रुपये रखा गया है। 14 फरवरी 2025 से इसके लिए बुकिंग शुरू हो चुकी हैं और मार्च 2025 के मध्य से इसकी डिलीवरी को देना शुरू किया जाएगा।

मारुति कर रही 7 सीटर ग्रांड वीटारा को लाने की तैयारी, टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट, मिली ये जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Maruti Suzuki की ओर से कई सेगमेंट में Cars and SUVs को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से जल्द ही 7 Seater SUV सेगमेंट में नई Grand Vitara को लाने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एसयूवी को लेकर क्या नई जानकारी सामने आई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में 7Seater SUV सेगमेंट को काफी पसंद किया जाता है। जिसे देखते हुए कई वाहन निर्माताओं की ओर से कई विकल्पों को बाजार में उपलब्ध करवाया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति की ओर से इस सेगमेंट में नई एसयूवी को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से Grand Vitara के सात सीटों वाले वर्जन को लॉन्च करने से पहले टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। नई गाड़ी को लेकर क्या जानकारी सामने आई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

मारुति कर रही 7Seater Grand Vitara लाने की तैयारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति की ओर से 7 Seater Grand Vitara को लाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी कंपनी की ओर से इस बारे में किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन इसकी टेस्टिंग की जा रही है।

टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट

रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति की 7सीटर ग्रैंड विटारा एसयूवी को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। इस एसयूवी को कंपनी के प्लांट के बाहर देखा गया है। जिस यूनिट को देखा गया है वह सामान्य ग्रैंड विटारा के मुकाबले अलग साइज में थी, जिस कारण इसे आसानी से पहचाना जा सकता था।

कितनी होगी लंबी

जानकारी के मुताबिक एसयूवी को सात सीटों के विकल्प के साथ लाया जाएगा। ऐसे में यह मौजूदा फाइव सीटर एसयूवी के मुकाबले ज्यादा लंबी होगी। लेकिन इसका व्हीलबेस 2600 एमएम के आस-पास ही रह सकता है।

कितना दमदार इंजन

कंपनी की ओर से सात सीटों वाली एसयूवी के इंजन में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। इसमें मौजूदा यूनिट की तरह ही 1.5 लीटर की क्षमता का नेचुरल एस्पिरेटिड माइल्ड हाइब्रिड इंजन दिया जाएगा जिससे इसे 103 पीएस की पावर और 136.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। इसके अलावा इसमें भी स्ट्रॉन्ड हाइब्रिड इंजन का विकल्प भी दिया जाएगा जिससे 115 पीएस की पावर और 141 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

कैसे होंगे फीचर्स

एसयूवी को सात सीटों के विकल्प के साथ ही 6सीटों के साथ भी लाया जा सकता है। इसके अलावा इसमें अपडेटिड इंटीरियर, बड़ा और बेहतर इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है।

कब होगी लॉन्च

मारुति की ओर से इस एसयूवी के 7 सीटर वर्जन को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक कोडनेम Y17 के नाम से इस गाड़ी को टेस्ट किया जा रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि एसयूवी को इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत तक पेश किया जा सकता है।

किनसे होगा मुकाबला

मारुति की ओर से 7सीटों के विकल्प के साथ इस एसयूवी को लाया जाएगा। बाजार में इसका सीधा मुकाबला Mahindra scorpio, MG Hector, Tata Safari, Hyundai Alcazar जैसी एसयूवी के साथ होगा।

बीवाईडभी सीलॉइन 7 भारत में हुई लॉन्च, सिंगल चार्ज में मिलती है 567 किलोमीटर की रेंज, कीमत 48.9 लाख रुपये

परिवहन विशेष न्यूज

BYD Sealion 7 Launched चीन की प्रमुख Electric वाहन निर्माता BYD की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। 17 February 2025 को नई Electric SUV के तौर पर Sealion 7 को लॉन्च कर दिया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स और रेंज को ऑफर किया जा रहा है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। चीन की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता BYD की ओर से भारतीय बाजार में Electric SUV and Sedan Car को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से 17 February 2025 को नई गाड़ी के तौर पर BYD Sealion 7 को लॉन्च कर दिया गया है। इसे किस कीमत पर लाया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स और रेंज को दिया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुई BYD Sealion 7 Electric SUV

बीवाईडी की ओर से भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर BYD Sealion 7 को लॉन्च कर दिया गया है। इस गाड़ी को लॉन्च से पहले Bharat Mobility 2025 के तहत आयोजित किए गए Auto Expo 2025 में पेश किया जा चुका है। गाड़ी के लिए बुकिंग भी 18 जनवरी 2025 से शुरू कर दी गई थी।

BYD Sealion 7 Features

BYD Sealion 7 इलेक्ट्रिक एसयूवी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें 12 स्पीकर, वायरलेस फोन चार्जर, वॉटर ड्रॉप टेल लैंप, व्हीकल टू लोड, 15.6 इंच रोटेटिंग इंफोटेनमेंट सिस्टम, नापा लैदर सीट, वेंटिलेटिड और हीटेड सीट्स, 128 कलर एंबिएंट लाइट्स, पैनोरमिक सनरूफ, हेड-अप डिस्प्ले जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 11 एयरबैग, ड्राइवर फटीग मॉनिटरिंग सिस्टम को भी दिया गया है।

BYD Sealion 7 Battery and Range

कंपनी की ओर से इसमें 82.56 kWh की क्षमता की बैटरी को दिया गया है। गाड़ी को सिर्फ प्रीमियम और परफॉर्मेंस वेरिएंट्स में लाया गया है। इसमें लगी मोटर से इसे 390 किलोवाट की पावर और 690 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। गाड़ी में लगी मोटर से इसे 4.5 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड पकड़ सकती है। सिंगल चार्ज में इसे 567 किलोमीटर की NEDC रेंज मिलती है। गाड़ी के साथ कंपनी 7KW की क्षमता का चार्जर दिया जाएगा। गाड़ी को ऑल व्हील ड्राइव के साथ ही रियर व्हील ड्राइव के विकल्प में खरीदा जा सकेगा।

BYD Sealion 7 Price and Delivery Date

कंपनी की ओर से Sealion 7 इलेक्ट्रिक एसयूवी को 48.9 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। इस कीमत पर इसके प्रीमियम वेरिएंट को खरीदा जा सकता है। इसके परफॉर्मेंस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 54.90 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने इसे 17 जनवरी 2025 को पेश किया था और 18 जनवरी 2025 से को भी शुरू कर दिया था। लॉन्च के बाद अब इस गाड़ी की डिलीवरी को मार्च 2025 से शुरू किया जाएगा। इसकी 70 हजार यूनिट की बुकिंग तक ही यह कीमत मान्य होगी। खास बात यह है कि बुकिंग शुरू होने के बाद से अब तक इसके लिए एक हजार बुकिंग मिल चुकी हैं।

किनसे होगा मुकाबला

BYD Sealion 7 इलेक्ट्रिक एसयूवी को कंपनी की ओर से प्रीमियम सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Hyundai Ioniq5, Kia EV6, BMW iX7 जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ होगा।

नीरज चोपड़ा ने लॉन्च की ऑडी RS Q8 परफॉर्मेंस, लेम्बॉर्गिनी, मर्सिडीज को मिलेगी कड़ी चुनौती

परिवहन विशेष न्यूज

लग्जरी वाहन निर्माता Audi की ओर से भारतीय बाजार में कई वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से 17 February 2025 को नई गाड़ी के तौर पर Audi RS Q8 Performance को लॉन्च कर दिया गया है। इस गाड़ी में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितना दमदार इंजन मिलेगा किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। दुनियाभर के कई देशों के साथ ही भारत में भी स्पोर्ट्स और लग्जरी कारों को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। जर्मनी की लग्जरी वाहन निर्माता Audi भी कई सेगमेंट में अपनी कारों को देश में ऑफर करती है। ऑडी की ओर से भारत में नई गाड़ी के तौर पर दमदार इंजन और फीचर्स के साथ Audi RS Q8 Performance को लॉन्च कर दिया गया है। नई गाड़ी में कितना दमदार इंजन दिया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। किस कीमत पर ऑडी की नई एसयूवी को खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Audi RS Q8 PErformance हुई लॉन्च

Audi की ओर से भारत में नई एसयूवी के तौर पर Audi RS Q8 Performance को लॉन्च कर दिया गया है। इस गाड़ी में दमदार इंजन और बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जा रहा है। भारत के जेवलिन स्टार Neeraj Chopra ने एक कार्यक्रम के दौरान इस स्पोर्ट्स एसयूवी को लॉन्च किया।

कितना दमदार इंजन

Audi RS Q8 Performance में कंपनी की ओर से चार लीटर की क्षमता का V8 इंजन दिया गया है। जिससे इसे 640 हॉर्स पावर और 850 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इस गाड़ी में कंपनी की ओर से 8स्पीड ट्रिपट्रॉनिक ट्रांसमिशन को दिया गया है। इसे सिर्फ 3.6 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 305 किलोमीटर प्रति घंटा तक है।

कैसे हैं फीचर्स

Audi RS Q8 Performance एसयूवी में कंपनी की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स और सेफ्टी फीचर्स को दिया गया है। इसमें 22 और 23 इंच अलॉय व्हील्स, 360 डिग्री कैमरा, 12.3 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12.3 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 17 स्पीकर के साथ Bang and Olufsen का ऑडियो सिस्टम, ऑडी कनेक्ट केयर, हेड-अप डिस्प्ले, फ्रंट में हनीकॉम्ब ग्रिल, एचडी मैट्रिक्स एलईडी लाइट्स, डिजिटल ओएलईडी टेल लाइट्स, आरएस बैजिंग, कार्बन पैकेज, स्पोर्ट सीट्स, सिरेमिक ब्रेक, आरएस स्पोर्ट्स एग्जॉस्ट सिस्टम, एक्टिव रोल स्टेबलाइजेशन, रियर स्पोर्ट डिफरेंशियल, आरएस के मुताबिक ट्यून्ड एडेप्टिव एयर सस्पेंशन, ऑल व्हील स्टेयरिंग, पैनोरमिक सनरूफ,पावर लैचिंग डोर, वेंटिलेटिड सीट्स, फोर जोन क्लाइमेट कंट्रोल, एयर क्वालिटी पैकेज, एडजस्टेबल और एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल असिस्ट के साथ लेन गाइडेंस, इंटरसेक्शन असिस्ट, रिमोट पार्क असिस्ट प्लस, नाइट विजन असिस्ट जैसे कई फीचर्स को दिया जा रहा है। इसमें आठ स्टैंडर्ड और नौ एक्सक्लूजिव कलर ऑप्शंस भी मिलते हैं।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से भारतीय बाजार में इस एसयूवी को 17 February 2025 को औपचारिक तौर पर लॉन्च कर दिया गया है। एसयूवी की एक्स शोरूम 2.49 कीमत करोड़ रुपये रखी गई है। लॉन्च के पहले ही इस गाड़ी के लिए बुकिंग को शुरू कर दिया गया था। पांच लाख रुपये में ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड से इसके लिए बुकिंग करवाई जा सकती है।

किनसे होगा मुकाबला

बाजार में इसका सीधा मुकाबला Lamborghini Urus और Prosche जैसी दमदार एसयूवी के साथ होगा।

दवाएं प्रभावी बनाने को हो पर्यावरणीय कारकों की पहचान

विजय गर्ग

अध्ययनों से पता चलता है, कि आपके पर्यावरण का इस बात पर बहुत प्रभाव हो सकता है कि विशिष्ट उपचार आपके लिए कितने कारगर हैं। उदाहरण के लिए, किसी विशिष्ट दवा को लेते समय ग्रेप फ्रूट (चकोतरा) का रस न पीने की सलाह देने वाले चेतावनी लेबल के बारे में सोचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रेपफ्रूट में मौजूद एक प्राकृतिक रसायन उन एंजाइमों को रोकता है जो उन दवाओं को विखंडित करते हैं।

आपको यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा कि हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों की पहचान करने से दवाइयों को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है।

आपके जीन आपकी ऊंचाई, बालों और आंखों के रंग और त्वचा की रंगत को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी कहानी नहीं बताते हैं। आपके व्यक्तित्व, आपकी पसंद और नापसंद और आपके स्वास्थ्य को आकार देने में आपका पर्यावरण अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आपके ऊपर आपके आहार, सामाजिक संपर्क, प्रदूषण से संपर्क, शारीरिक गतिविधि और और शिक्षा के प्रभाव अक्सर आनुवंशिकी के प्रभावों और अन्य विशेषताओं से अधिक होते हैं जो आपको परिभाषित करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि हम पता लगा लें कि आपके जीन और पर्यावरण अस्थमा, हृदय रोग, कैंसर, डिमेंशिया और अन्य दशाओं के विकास की संभावना को कैसे बढ़ाते हैं, तो चिकित्सा के तौर-तरीकों में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। जीनोमिक्स विज्ञान का एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यह जीव विज्ञान की एक शाखा है जो जीनोम के अध्ययन से संबंधित है। जीनोम एक जीव के डीएनए का पूरा सेट होता है, जिसमें उसके सभी जीन और अन्य डीएनए सीक्वेंस शामिल होते हैं।

जीनोमिक्स में जीनोम की संरचना, कार्य और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें जीनों की पहचान, उनके कार्यों का विश्लेषण और जीनोमिक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर तकनीकों का उपयोग शामिल है। जीनोमिक्स का उपयोग करके नई दवाओं और उपचारों का विकास किया जा सकता है। जीनोमिक्स का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। पारिस्थितिकी जीनोमिक्स का उपयोग करके पारिस्थितिक तंत्र की समझ में सुधार किया जा सकता है। जीनोमिक्स के क्षेत्र ने बीमारी के जोखिम से जुड़ी आनुवंशिक विविधताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अस्पताल और घर दोनों में परीक्षण करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है। हाल के वर्षों में, विज्ञान कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाले पर्यावरणीय अपराधियों को ट्रैक करने और आपके व्यक्तिगत पर्यावरणीय जोखिमों के आधार पर उपचारों को अनुकूलित करने के तरीकों की पहचान करने में प्रगति कर रहा है। जीनोमिक्स के साथ ही एक्सपोसोमिक्स

भी एक उभरता हुआ विज्ञान है जो आपके जीव विज्ञान को प्रभावित करने वाले सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक और सामाजिक कारकों का अध्ययन करता है।

एक्सपोसोम दरअसल एक अवधारणा है जिसमें आपके सभी पर्यावरणीय जोखिम शामिल होते हैं। जैसे शोधकर्ता जीनोमिक्स का अध्ययन करने के लिए डीएनए सीक्वेंसर का उपयोग करते हैं, वैसे ही एक्सपोसोमिक्स में वैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हजारों पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों को मापने के लिए रसायन विज्ञान और उच्च तकनीक वाले सेंसर का उपयोग करते हैं। हम जानते हैं कि दवाएं हमेशा काम नहीं करतीं। कई लोगों के लिए, कुछ दशाओं के इलाज के लिए मानक दवा उपचार बस काम नहीं करते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए अक्सर महीनों के परीक्षण की आवश्यकता होती है। इसी तरह डिप्रेशन के लिए उपयुक्त उपचार योजना की पहचान करने में महीनों या वर्षों तक का समय लग सकता है। सिर्फ अमेरिका में दवाओं के कारण होने वाले प्रतिकूल परिणामों के कारण हर साल दस लाख से अधिक लोगों को अस्पतालों के आपातकालीन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रोगियों के बीच दवा के प्रभावों में ये अंतर किस वजह से होता है? क्या यह उनके जीन हैं? क्या वे साइड इफेक्ट के कारण अपनी दवाएं निर्धारित अनुसार नहीं ले रहे हैं? या इन सब के पीछे कुछ और है?

अध्ययनों से पता चलता है, कि आपके पर्यावरण का इस बात पर बहुत प्रभाव हो सकता है कि विशिष्ट उपचार आपके लिए कितने कारगर हैं। उदाहरण के लिए, किसी विशिष्ट दवा को लेते समय ग्रेप फ्रूट (चकोतरा) का रस न पीने की सलाह देने वाले चेतावनी लेबल के बारे में सोचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रेपफ्रूट में मौजूद एक प्राकृतिक रसायन उन एंजाइमों को रोकता है जो उन दवाओं को विखंडित करते हैं। उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य स्टैटिन विषाक्त स्तर तक बढ़ सकते हैं क्योंकि ग्रेपफ्रूट के रस में मौजूद रसायन इसकी सामान्य प्रोसेसिंग को अवरुद्ध कर देते हैं। ग्रेपफ्रूट ही एकमात्र पर्यावरणीय कारक नहीं है जो आपकी दवाओं के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में 8,600 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है, और लोग प्रतिदिन इनमें से हज़ारों रसायनों के संपर्क में आते हैं। इस बात की अधिक संभावना है कि इनमें से कई रसायन आपके द्वारा ली जाने वाली दवाओं के साथ परस्पर क्रिया कर सकते हैं। पिस्सू और टिक्स को पालतू जानवरों से दूर रखने के लिए हम जिन रसायनों का इस्तेमाल करते हैं, वे वास्तव में ग्रेपफ्रूट के रस द्वारा अवरुद्ध एंजाइम के स्तर को बढ़ा सकते हैं। इससे स्टैटिन इतनी तेज़ी से विखंडित हो जाता है कि वह बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित नहीं कर सकता।

कार्बनिक पदार्थों के जलने से बनने वाले उप-उत्पाद, जैसे इंजन एग्जास्ट और जलती हुई लकड़ी, दवाओं का चयापचय करने वाले एंजाइमों में भी हस्तक्षेप कर सकते हैं। इनमें से कुछ रसायन, जिन्हें पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन कहा जाता है, अस्थमा के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को निष्क्रिय कर सकते हैं। आपके अस्थमा को ट्रिगर करने वाला पर्यावरणीय कारक इसके इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को काम करने से रोक सकता है।

रसायन विज्ञान में प्रगति शोधकर्ताओं को यह पता लगाने में मदद कर रही है कि कौन से रसायन उपचार के रास्ते में आ रहे हैं। अनुसंधान प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक मास स्पेक्ट्रोमीटर नामक उपकरणों का उपयोग करके एक साथ हजारों अणुओं की उपस्थिति का पता लगा सकते हैं। इस प्रकार वैज्ञानिक किसी दिए गए नमूने में मौजूद सभी कीटनाशकों, प्लास्टिसाइज़र (प्लास्टिक को नरम बनाने वाले रसायन), प्लास्टिक, प्रदूषण और अन्य रसायनों की पहचान कर सकते हैं। सही व्यक्ति को सही समय पर सही दवा देने के लिए उन पर्यावरणीय कारकों की बेहतर समझ की आवश्यकता है जो दवाओं के काम करने के तरीके को प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिक एक ऐसे भविष्य की कल्पना कर रहे हैं जहां एक डॉक्टर आपके आनुवंशिक और पर्यावरणीय इतिहास का उपयोग करके सबसे अच्छा दवा उपचार निर्धारित कर सकेगा जो शुरू से ही आपके लिए कारगर होगा और जिससे 'ट्रायल एंड एरर' की आवश्यकता कम हो जाएगी।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट

तापमान वृद्धि से मिलता है डेंगू के प्रसार को बढ़ावा

विजय गर्ग

गर्मी और बारिश दोनों ही डेंगू के प्रकोप को बढ़ा सकते हैं। मौसम के बदलावों के कारण डेंगू का प्रकोप अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से होता है। गर्म तापमान में मच्छरों का जीवनचक्र तेज हो जाता है। इससे मच्छरों के जीवित रहने की दर बढ़ जाती है। वहीं बारिश में मच्छरों की आबादी बढ़ जाती है और प्रजनन स्थल भी बढ़ जाते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि तापमान में वृद्धि डेंगू के प्रसार को बढ़ावा देती है, लेकिन वर्षा इस बात पर निर्भर करती हैं कि किसी क्षेत्र में कितने समय तक शुष्क मौसम रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण गर्म, आई परिस्थितियों के कारण डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसमें पहले अप्रभावित देशों में भी डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। इस बारे में जर्नल साइंस में अध्ययन प्रकाशित किया गया। इसमें बताया गया कि तापमान और वर्षा किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और रोग के प्रसार को प्रभावित करते हैं।

कोरिया एडवांस्ड इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी और इंस्टीट्यूट फार बेसिक साइंस के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने डेंगू के प्रसार में स्थानीय जलवायु परिस्थितियों की भूमिका पर जोर दिया, जिससे रोग की रोकथाम के अनुरूप रणनीतियों की आवश्यकता है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से होता है। फिलीपींस के 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जो अपनी विविध जलवायु के लिए जाने जाते हैं, शोधकर्ताओं ने जनवरी 2015 और दिसंबर 2019 के बीच दर्ज किए गए पांच साल के आंकड़ों का विश्लेषण किया। बढ़ते तापमान में डेंगू के फैलने की उच्च दर से संबंधित थे। पाया गया कि बारिश से पूर्वी क्षेत्रों में बीमारी का प्रसार बढ़ा और पश्चिमी क्षेत्रों में कम हुआ।

मच्छरों की आबादी और डेंगू के मामलों में वृद्धि : शोध टीम ने बताया कि बारिश के डेंगू के प्रसार को प्रभावित करने के विपरीत प्रभाव पहले से अनदेखा ₹ महत्वपूर्ण कारक पर निर्भर करते हैं। शुष्क मौसम की लंबाई में भिन्नता, जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के बीच शुष्क मौसम (कम या बिना बारिश के) कितने समय तक रहता है, में अंतर को संदर्भित करता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि शुष्क मौसम की अवधि में कम बदलाव देखने वाले क्षेत्रों में बारिश ने स्थिर पानी को बाहर निकाल दिया, जिससे मच्छरों के प्रजनन स्थल कम हो गए, जिससे डेंगू का प्रसार कम हो गया। हालांकि, शुष्क मौसम की लंबाई में अधिक बदलाव वाले क्षेत्रों में छिटपुट बारिश ने नए प्रजनन स्थल बनाने और भारी बारिश के बाद के प्रभाव को कमजोर कर दिया, जिससे मच्छरों की आबादी और डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई। कोरिया एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलजी और इंस्टीट्यूट फार बेसिक साइंस के म लेखक आलिव आर कैविडिंग ने कहा, हमारे निष्कर्ष सबूत देते हैं कि जलवायु कारक किस तरह से विभिन्न वातावरणों में डेंगू के संक्रमण को प्रभावित करते हैं।

सही कैरियर चुनने का महत्व

विजय गर्ग

कैरियर को 'एक विशेष व्यवसाय के रूप में परिभाषित किया गया है जिसके लिए एक प्रशिक्षित है'। हम समझते हैं कि यह दूरगामी प्रभाव है और यह गुंजाइश है, इससे भी अधिक, बेहतर, जितना हमने कभी महसूस किया है। यह परिदृश्य प्राचीन काल में स्पष्ट नहीं था, किसी को भी कैरियर की परवाह नहीं थी, हर कोई जो भी पेशे का पीछा कर रहा था, उससे खुश था। औद्योगिकीकरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था में शिक्षा की वृद्धि ने हमें कैरियर के महत्व का एहसास कराया और कोई कैसे करियर की योजना बना सकता है। इस प्रकार, ऐसे समय में जब हम सिर्फ एक 'डॉक्टर', 'इंजीनियर' या 'वकील' होने के बारे में सोच सकते थे, 21 वीं सदी में करियर की एक नई नस्ल थी। अब, हमारे पास पहले से कहीं अधिक कैरियर विकल्प हैं और इन विकल्पों ने हमें कैरियर चुनने के लिए असीमित अवसर प्रदान किए हैं। दूसरी तरफ, इतने सारे विकल्प किसी के दिमाग को 'कर रहे हैं?' संभावित उम्मीदवार के संकटों को जोड़ने के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विभिन्न सफलताओं ने 'विशेषज्ञता और उनके परिणामी करियर के बारे में कभी नहीं सुना है। सही कैरियर चुनने का महत्व सबसे जटिल है। ऐसे व्यवसाय हैं जो 'मांग में' हैं और जो 'मांग में नहीं हैं' हैं। ये 'मांग' व्यवसाय आकर्षक हैं और उनके विरोधी समकक्ष नहीं हैं। यहां, एक के लिए एक कैरियर चुनना आसान हो जाता है जो स्पष्ट है - 'मांग में'। हम में से अधिकांश के लिए, पैसा सबसे अधिक मायने रखता है जब यह करियर बनाने की बात आती है। हालांकि, हम में से कुछ लोग इस बारे में भावुक हैं कि हम क्या करते हैं और हम अपने विश्वासों के बजाय अपनी प्रवृत्ति का पालन करते हैं। और, कुछ ऐसे भी हैं जो अपनी आकांक्षी इच्छाओं को उन लोगों का पालन करने के लिए अंकुश लगाएंगे जो जेब में अधिक पैसा प्रदान करते हैं। ऐसे पेशेवर उतने सफल नहीं हो सकते हैं जितना उन्हें होना चाहिए, वे उतने कुशल नहीं हो सकते हैं जितना कि उनकी नौकरी के लिए उन्हें होना चाहिए और यहां तक कि अगर वे सफलता प्राप्त करते हैं, तो यह उनकी वास्तविक आकांक्षाओं की कीमत पर प्राप्त होता है। फिर हममें से ऐसे लोग हैं जो भ्रम की स्थिति में हैं, कौन सा करियर चुनना है? मार्गदर्शन और जानकारी की तलाश में कौन है। यह यहाँ है कि हमारी भूमिका लागू होती है, क्योंकि इस खंड का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य आपको सर्वोत्तम संभव तरीके से मार्गदर्शन करने पर आधारित है और सबसे सस्ता भी! स्कूल करियर के बाद स्कूल करियर के बाद उन लोगों को भेजा जा सकता है जिनका पालन किसी की स्कूली शिक्षा को पूरा करने के लिए किया जा सकता है, ज्यादातर उच्च विद्यालय या माध्यमिक स्कूल शिक्षा के बाद। दूसरे शब्दों में, करियर जो स्नातक होने से पहले पीछा कर सकता है। यहां हम सिर्फ गर्मियों की नौकरियों के साथ काम नहीं कर रहे हैं या नींबू पानी बेच रहे हैं लेकिन हम एक बड़ी तस्वीर देख रहे हैं। जो छात्र अपने स्कूल के तुरंत बाद अपना करियर बनाना चाहते हैं, वे अपने कौशल और रुचियों के आधार पर विभिन्न व्यवसायों का विकल्प चुन सकते हैं। ये सुविधाजनक हैं और कुछ अर्थों में और मामलों में लाभदायक करियर की तुलना में स्नातक आधारित करियर की तुलना में। सुविधाजनक करियर आवश्यक रूप से सबसे आसान नहीं हैं, उन्हें उतनी मेहनत या और भी अधिक की आवश्यकता होती है, जो स्नातक का पीछा करेंगे। वे इस अर्थ में सुविधाजनक हैं कि उन्हें स्कूल से बाहर जाने के बाद हासिल किया जा सकता है क्योंकि उन्हें स्नातक की आवश्यकता नहीं है। स्कूल के बाद के कैरियर की लाभप्रदता काफी हद तक एक व्यक्तियों की प्रवीणता पर आधारित है। इस प्रवीणता के आधार पर, कोई भी स्नातक या स्नातकोत्तर पेशेवर के रूप में कमा सकता है। स्कूल करियर के बाद छात्र 'स्कूल करियर के बाद' का विकल्प क्यों चुनते हैं? कई कारण हैं कि कई छात्र 'स्कूल करियर के बाद' के लिए जाते हैं। इन्हें नीचे समझाया गया हैः अध्ययन में गरीबः कई लोग अध्ययन में अच्छे नहीं हैं, भले ही उनके पास एउच्च आईक्यू। स्कूल में लगातार नागिंग और शर्मिंदगी उन्हें अपमानित करने के लिए कॉलेज में कुछ वर्षों से अधिक लटकने के बजाय स्कूली शिक्षा के पूरा होने पर कैरियर बनाने के लिए मजबूर करती है। धन की कमी या कमीः अधिकांश छात्र जो जल्द से जल्द कमाने के लिए उत्सुक हैं, वे हैं जो ऐसे करियर के लिए जाते हैं। उनकी उत्सुकता का कारण वित्तीय बाधाएं हैं जो उन्हें कॉलेज में अध्ययन के बजाय नौकरी की तलाश करने के लिए मजबूर करती हैं। अनुभवः कुछ ऐसे व्यक्ति हैं जो 'प्रथम-हाथ नौकरी का अनुभव' चाहते हैं। कारण विविध हो सकते हैं, जिनमें से कुछ राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्नातक स्तर की पढ़ाई पर अधिक स्थिति के लिए योजना बना सकते हैं। कुछ मामलों में, यह केवल वजन उम्र या बस महत्वाकांक्षी रवैये को फिर से शुरू करने के कारण हो सकता है। अर्ली स्टार्टः जिन लोगों के पास नौकरी नहीं होती है, वे ज्यादातर स्कूल पूरा होने पर भी नीचे देखे जाते हैं। यह कई लोगों के लिए एक प्रतिष्ठा मुद्दा बन जाता है और वे 'बेरोजगार' के रूप में टैग किए जाने के बजाय नियोजित के रूप में जाना जाना चाहते हैं। इसलिए स्कूल के तुरंत बाद एक नौकरी समाज का तत्काल जवाब है। पर्याप्त शिक्षाः ऐसे उम्मीदवार जो अध्ययन से थक गए हैं और शिक्षा के नीरस शासन के साथ बोझ महसूस करते हैं, ऐसे करियर के लिए विकल्प चुनते हैं। उनके लिए, स्कूल शिक्षा पर्याप्त शिक्षा है। वे कम से कम स्नातक होने के बारे में परेशान हैं। स्वतंत्रता की भावनाः स्कूल पूरा करने के बाद हम में से कई ऐसे हैं जिनके पास यह विचार है कि वे अपने माता -पिता के साथ पर्याप्त रहते हैं और यह आगे बढ़ने का समय है। उनमें से कई के लिए, यह परिवार के कामों और अधिकार से मुक्ति से रिडेंस है। वे अपने लिए एक आला का पता लगाना और तराशना चाहते हैं और अपने पैरों पर खड़े होकर आर्थिक रूप से और सामाजिक रूप से स्वतंत्र रहें। कॉलेज की फीस के लिए स्रोतः विभिन्न स्कूलों में स्कूली शिक्षा मुफ्त है, लेकिन जरूरी नहीं कि कॉलेजों में। कॉलेज की शिक्षा महंगी हो सकती है यदि इसका अध्ययन एक प्रतिष्ठित कॉलेज में किया जाना है। यह उन लोगों के लिए प्रेरणा का एक स्रोत बन जाता है जो इसे उनके चुने हुए कॉलेज बनाने के लिए निर्धारित करते हैं। सहकर्मी दबावः कभी - कभी छात्र अपने दोस्तों का पालन करते हैं। वे मानते हैं कि कुछ छात्र कमा रहे हैं और वे नहीं हैं। यह यहाँ है कि वे अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी पाने में दबाव डालते हैं। अन्य मामलों में, उन्हें अंशकालिक होने पर भी व्यवसाय नहीं होने के लिए छेड़ा जा सकता है। स्कूल करियर के बाद आम बिक्री प्रतिनिधिः एक छात्र सबसे आसान कैरियर में से एक है जो एक बिक्री प्रतिनिधि है। बिक्री प्रतिनिधि का काम करना आसान है, लेकिन फिर से यह एक आसान कैरियर मार्ग नहीं है, लेकिन अगर सही रवैये और तकनीकों के साथ पीछा किया जाता है तो कुछ समय में शीर्ष स्तर तक पहुंच सकता है। फ्रीलांस लेखकः यदि आप रचनात्मक लेखन के लिए अंग्रेजी और पेन्चेंट पर महारत रखते हैं, तो आप एक स्वतंत्र लेखक बनने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हैं। अनुभव के साथ, कोई विभिन्न प्रकाशनों के साथ काम कर सकता है और सिर्फ एक टुकड़े के लिए एक अच्छी राशि कमा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि आपके पास एक स्वतंत्र लेखक बनने के लिए अंग्रेजी या पत्रकारिता में डिग्री हो। एनिमेटरः बूमिंग एनीमेशन उद्योग एक एनिमेटर बनने के इच्छुक लोगों के लिए हॉटस्पॉट है। हालांकि बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान एक जरूरी है, इस कैरियर को आगे बढ़ाने के लिए कॉलेज की डिग्री होना आवश्यक नहीं है। आपको बस ज्वलंत कल्पना और इसे आवश्यक माध्यम पर लागू करने की क्षमता की आवश्यकता है। ग्राफिक आर्टिस्टः यह कलात्मक रूप से इच्छुक व्यक्तियों के लिए एक और रचनात्मक कैरियर मार्ग भी है। ग्राफिक कलाकारों को अपने ग्राहकों की आवश्यकता को चित्रित करने के लिए अच्छे दृश्य और रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। वाणिज्यिक पायलटः वाणिज्यिक पायलट एक और क्षेत्र है जहां कौशल योग्यता से अधिक महत्वपूर्ण हैं, यहां तक कि तू भीएच योग्यता एक औपचारिकता से अधिक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश पायलट अकादमियों को पूर्व-आवश्यकता के रूप में हाई स्कूलिंग की आवश्यकता होती है और अंत में, यह उड़ान के अनुभव की मात्रा है जो सबसे अधिक मायने रखता है। इलेक्ट्रीशियनः जब तक बिजली के उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, बिजली के लोग कभी भी नौकरियों और बाद में नकदी से बाहर नहीं निकलेंगे। विभिन्न डिप्लोमा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हैं जिन्हें इलेक्ट्रीशियन बनने के लिए केवल बुनियादी स्कूली शिक्षा या हाई स्कूलिंग की आवश्यकता होती है। डिस्क जॉकीः डिस्क जॉकी एक और सुविधाजनक और लाभदायक कैरियर है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिनके पास 'संगीत के लिए कान' है। यहाँ जुनून एक पेशा भी बन जाता है। इसके अलावा, कोई भी अनुभव के काफी समय के बाद अपने संगीत एल्बम को भी रिलीज़ कर सकता है। रेडियो जॉकीः निजी रेडियो अपने स्वयं के चैनल होने वाले शैक्षिक संस्थानों के साथ प्रचलन में हैं, एक रेडियो जॉकी का करियर लाभदायक और मांग दोनों है। सभी एक जरूरत एक अच्छी आवाज और एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम है। कॉल सेंटर के कार्यकारीः कॉल सेंटर नए उम्मीदवारों के लिए कैरियर के अवसर प्रदान करते हैं, जिन्होंने अभी -अभी अपने हाई स्कूल या सीनियर सेकेंडरी स्कूल को पारित किया है। बीपीओ एशियाई देशों में अपने व्यवसाय स्थापित कर रहा है क्योंकि यह लागत प्रभावी है। हालांकि कुछ स्नातक के लिए पूछते हैं कि कई ऐसे हैं जिन्हें 10+2 पास की आवश्यकता है। स्पोर्ट्सपर्सनः एक खेल में उत्कृष्ट और विशेष रूप से जो पैसे के लिए एक चुंबक हैं, अपने आप में एक कैरियर है जिसके लिए एक अनपढ़ भी भविष्य को बाहर कर सकता है। खेल एक ऐसा कौशल है जिसमें ज्यादातर शैक्षणिक क्षमताओं की आवश्यकता नहीं होती है। सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन शिक्षा प्रदाता प्रदाता पाठ्यक्रम ऑनलाइन हालांकि स्कूल को पूरा करने के बाद कोई नौकरी प्राप्त कर सकता है, यह आवश्यक नहीं है कि किसी को भी जरूरी है कि वे सिर्फ इसलिए प्राप्त करें क्योंकि वे हो सकते हैं या क्योंकि वे उपलब्ध हैं। शिक्षा के इस स्तर पर नौकरियां उच्च शिक्षा की डिग्री के रूप में ज्यादा पैसा नहीं लाएंगी। इस तथ्य के अपवाद हैं, लेकिन मोटे तौर पर यह एक सार्वभौमिक रूप से लागू तथ्य है। इसलिए उच्च शिक्षा के लिए जाना हमेशा बुद्धिमान होता है क्योंकि यह न केवल उच्च स्तर की आय, उच्च कद भी प्रदान करेगा, बल्कि उच्च स्तर की बुद्धि भी प्रदान करेगा। सबसे लाभदायक और लोकप्रिय कैरियर विकल्प जब यह सबसे अधिक लाभदायक करियर की बात आती है, तो अतीत और वर्तमान में थोड़ा बदलाव होता है। पारंपरिक करियर यानी डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और वकील, अभी भी अपनी जमीन पकड़ते हैं लेकिन आईटी क्षेत्र भारी गति से बढ़ रहा है। वर्तमान और भविष्य के करियर को कम्प्यूटरीकरण की आवश्यकता होती है क्योंकि नई तकनीक अपने पारंपरिक समकक्ष से बेहतर है। इस कारण से, सूचना प्रौद्योगिकी आधारित करियर यहां रहने के लिए हैं। पारंपरिक करियर अभी भी सबसे अधिक पीछा किया जाता है क्योंकि वे 'आवश्यकता-आधारित' हैं। हालांकि, यह आवश्यक नहीं है कि सबसे अधिक लाभदायक करियर सबसे अधिक पीछा किया जाएगा, उदाहरण के लिए हर कोई राजनीति में शामिल होने या सरकारी ठेकेदार होने के लिए पसंद नहीं करता है। बड़े पैमाने पर लोग, पारंपरिक पेशेवरों पर निर्भर हैं क्योंकि वे अपने जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। बड़े पैमाने पर समाज को बीमारियों को ठीक करने की आवश्यकता होती है, बच्चों को शिक्षित करने के लिए, निर्माण करने के लिए निर्माण और कानूनी परेशानी से निपटने के लिए। कुछ समय या दूसरे और कुछ मामलों में और भी अधिक बार, हमें इन पेशेवरों की सेवाओं की आवश्यकता होती है। इसलिए क्या अर्थव्यवस्था नीचे है या ऊपर है, ये करियर अप्रभावित बने हुए हैं क्योंकि वे किसी भी स्तर पर किसी भी प्राधिकरण के प्रभावी कामकाज के लिए आवश्यक हैं। स्वास्थ्य देखभालः हेल्थकेयर करियर हमेशा सबसे अधिक पीछा किया गया है और क्यों नहीं? पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि ये अत्यधिक भुगतान और सम्मानित हैं। विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय उभर रहे हैंजबकि कुछ को खुद को विशेष रूप से स्थापित किया गया है। डॉक्टर और अन्य संबंधित पेशेवर कभी भी नौकरी से बाहर नहीं निकलेंगे क्योंकि स्वास्थ्य एक ऐसी चीज है जो एक दिन या किसी अन्य शिष्टाचार की गतिहीन जीवन शैली और पर्यावरणीय क्षति को प्रभावित करने वाली है। ऊर्जाः सभी व्यवसायों और अन्य गतिविधियों के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है और जो बिजली के बिना जीवन की कल्पना कर सकते हैं। ऊर्जा और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की बढ़ती आवश्यकता के साथ, इंजीनियरों और अन्य विशेषज्ञों के लिए पर्याप्त गुंजाइश है जो ऊर्जा से निपटते हैं। यही कारण है कि इस तकनीकी क्षेत्र को सबसे अधिक लाभदायक के बीच गिना जाता है। शिक्षाः करियर स्वयं शिक्षा पर आधारित हैं और यदि आपके पास उचित योग्यता नहीं है, तो आप बेरोजगार या अंडरपेड को समाप्त कर देंगे। शिक्षा हमें कई मायनों में सशक्त बनाती है और सशक्त होने का एकमात्र तरीका स्कूलों के माध्यम से है। बच्चों के अलावा, ऐसे वयस्क हैं जो अपने बचे हुए अध्ययन या उच्च शिक्षा की तलाश करने वालों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इस प्रकार शिक्षकों, व्याख्याताओं, प्रशिक्षकों आदि को हमेशा जनता को शिक्षित करने की आवश्यकता होगी। सूचना प्रौद्योगिकीः सूचना प्रौद्योगिकी उन लोगों के बीच नया 'बज़ वर्ड' है जो कैरियर से सावधान हैं। दक्षता और प्रभावशीलता का उत्पादन करने के लिए सभी स्तरों पर कंप्यूटिंग की जा रही है। इंटरनेट पर बहुत सारे व्यवसाय और संचार आयोजित किए जाते हैं क्योंकि यह तेज और सुविधाजनक है। लोग आज अपने घरों में बैठे खरीदारी करते हैं और आईटी संसाधनों का उपयोग करके आभासी बैठकों का आयोजन करते हैं। आज सूचना प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के सभी पहलुओं को शामिल कर रही है। इसके कामकाज और रखरखाव इस प्रकार आवश्यक हैं, जिससे आईटी करियर लाभदायक और लोकप्रिय हो जाते हैं। फार्मास्यूटिकल्सः दवाओं और अन्य संबंधित उत्पादों का उपयोग हमेशा तब तक किया जाएगा जब तक डॉक्टर उन्हें लिखते हैं। यहां तक कि अगर कोई निर्धारित दवा नहीं ले रहा है, तब भी एक शेल्फ दवाएं लेता है। हर दिन टन टन दवाओं का उत्पादन किया जाता है और इसके विनिर्माण, पैकेजिंग, वितरण आदि में शामिल लोग भी कभी भी व्यवसाय से बाहर नहीं निकलेंगे क्योंकि एक बार फिर से यह एक जरूरत-आधारित कैरियर है। कानूनः प्रत्येक संगठन के पास विभिन्न कानूनी मामलों से निपटने के लिए छोटे या बड़े कानूनी सलाहकार हैं। फिर विवाद, आपराधिक गतिविधियाँ, अपराध और अन्य गतिविधियों के एक मेजबान हैं जिनके लिए उन्हें हल करने के लिए कानूनी कौशल की आवश्यकता होती है। भोजनः शरीर के उचित कामकाज के लिए भोजन एक बुनियादी आवश्यकता है। मंदी या कोई मंदी नहीं है, हमें उन कैलोरी की आवश्यकता है जो इसे 'दिन के माध्यम से बनाने के लिए'। हम लंबे समय तक भूख को नजरअंदाज नहीं कर सकते और स्नैक्स हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं। खाद्य उद्योग भी सबसे लाभदायक और पीछा किए गए करियर में से एक रहेगा। लेखांकनः जीवन में कुछ ऐसा है जिसे टाला नहीं जा सकता है - मृत्यु और कर दो सबसे अपरिहार्य चीजें हैं जो आपके साथ, जल्द या बाद में पकड़ लेगी। और जो इन और उनकी परिणामी गतिविधियों का खाता रखता है, इसका उत्तर स्पष्ट है। बढ़ती लागत और मंदी कंपनियों को अधिक लागत-बचत उपायों और चेक खर्चों के लिए बेताब बनाती है। सरकारी अनुबंधः हर कोई इस करियर के बारे में नहीं जानता है और यहां तक कि जो लोग जानते हैं, वे इसे बहुत उबाऊ पाते हैं। लेकिन यह पसंद है या नहीं सरकारी ठेकेदार बहुत अधिक कमाते हैं और एक एकल परियोजना अपने वर्षों को आर्थिक, आसान बनाने के लिए पर्याप्त है। सभी नागरिक सुविधाओं की हमेशा आवश्यकता होती है और इसलिए इसका रखरखाव है। पुलों, सड़कों, निर्माण आदि को किया जाना है और सरकारी कार्यों के लिए आपके कार्य को अनुबंधित करना एक बहुत ही सुरक्षित कैरियर है। राजनीतिः राजनीति सबसे लोकप्रिय नहीं है, लेकिन यह सबसे अधिक लाभदायक है। इसे 'गंदा खेल' कहें या जो भी हो, राजनेता हमेशा आसपास रहेंगे। सरकार मैं हूंn उनके द्वारा चलाया जाता है और यहां तक कि अगर कोई मंदी है, तो सार्वजनिक अधिकारी अभी भी अच्छी राशि अर्जित करना जारी रखते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी, वे पेंशन प्राप्त करना जारी रखते हैं।

जमा बीमा की लिमिट बढ़ाने की तैयारी में सरकार, जानिए क्या होगा इससे फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू का कहना है कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है। अभी यह लिमिट 5 लाख रुपये है।

नई दिल्ली। सरकार जमा बीमा की सीमा बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। अभी यह लिमिट 5 लाख रुपये है। इसका मतलब है कि अगर अभी कोई बैंक डूबता है, तो उसमें पैसा जमा करने वाले ग्राहकों को 5 लाख रुपये तक मिल जाएंगे। हालांकि, मुद्रास्फीति और दूसरे फैक्टर को देखते हुए यह सीमा काफी कम मानी जा रही है। इसे लगातार बढ़ाने की मांग हो रही है।

इस पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू का कहना है कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है।

उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में कहा, 'जैसे ही सरकार मंजूरी देगी, हम इसकी अधिसूचना जारी कर देंगे।' हालांकि, नागराजू ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के संकट पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले को आरबीआई देख रहा है।

जमा बीमा दावा तब शुरू होता है जब कोई ऋणदाता डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में निक्षेप बीमा व प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ऐसे दावों का भुगतान करता रहा है। यह निकाय अपने द्वारा प्रदान किए जाने वाले 'कवर' के लिए बैंकों से प्रीमियम एकत्र करता है और अधिकतर दावे सहकारी ऋणदाताओं के मामले में किए गए हैं। खबरों के अनुसार, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 1.3 लाख जमाकर्ताओं में से 90 प्रतिशत की पूरी रकम डीआईसीजीसी के अंतर्गत आएगी।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक मामला क्या है?

आरबीआई ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के कामकाज में गंभीर खामियां पाई है। उसने बैंक के बोर्ड को एक साल के लिए भंग कर दिया। बैंक के कामकाज को अब आरबीआई का नियुक्त प्रशासक देखेगा। सलाहकारों की एक समिति की भी नियुक्ति की गई है, जो प्रशासक को कामकाज में मदद देगी। आरबीआई ने बैंक के लिए जमा और निकासी पर भी रोक लगा दी है। इसका मतलब है कि आरबीआई का प्रतिबंध हटने तक ग्राहक अपने पैसों को नहीं निकाल पाएंगे।

मुंबई पुलिस ने भी बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख व उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया है। इसकी जांच अब मुंबई पुलिस की अपराध शाखा (EOW) करेगी।

पीएमसी बैंक घोटाले के बाद बढ़ी थी लिमिट

सितंबर 2019 में एक व्हिसल-ब्लोअर की मदद से आरबीआई को पता चला कि PMC बैंक मुंबई के एक रियल इस्टेट डेवलपर को करीब 6500 करोड़ रूपये लोन देने के लिए नकली बैंक खातों का उपयोग कर रहा है। इससे बचने के लिए आरबीआई ने 24 सितंबर 2019 को पैसे निकालने पर कुछ पाबंदियां लगा दी।

इसके बाद जमा की लिमिट बढ़ाने की मांग तेज हुई थी। सरकार ने पीएमसी बैंक घोटाले के बाद 2020 में बीमा सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी थी।

एजेक्स इंजीनीयरिंग आईपीओ की शेयर बाजार में फीकी एंट्री, 8 फीसदी डिस्काउंट के साथ हुई लिस्टिंग

एजेक्स इंजीनीयरिंग का स्टॉक बीएसई (BSE) पर 593 रुपये पर लिस्ट हुआ। यह इश्यू प्राइस से 5.72 फीसदी कम था। यह लिस्टिंग के कुछ समय बाद 565 रुपये तक गिर गया। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों का घाटा 10.17 फीसदी तक हो गया है। वहीं एनएसई (NSE) पर स्टॉक 576 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुआ जो 8.42 फीसदी की गिरावट को दिखाता है।

नई दिल्ली। कंक्रीट इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर Ajax Engineering Ltd के आईपीओ को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। लेकिन, इसकी शेयर बाजार में एंट्री काफी कमजोर रही है। Ajax Engineering के शेयर 629 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ लिस्ट हुए। एजेक्स इंजीनीयरिंग का स्टॉक बीएसई (BSE) पर 593 रुपये पर लिस्ट हुआ। यह इश्यू प्राइस से 5.72 फीसदी कम था। यह लिस्टिंग के कुछ समय बाद 565 रुपये तक गिर गया। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों का घाटा 10.17 फीसदी तक हो गया है। वहीं, एनएसई (NSE) पर स्टॉक 576 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुआ, जो 8.42 फीसदी की गिरावट को दिखाता है। Ajax Engineering का वैल्यूएशन (Market Valuation) 6,613.29 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बाद में इसमें तेजी देखी और शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। एजेक्स इंजीनीयरिंग का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) पूरी तरह सब्सक्राइब हुआ था। बोली लगाने के अंतिम दिन यह 6.45 गुना सब्सक्राइब हुआ, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी का पता चलता है। IPO का प्राइस बैंड 599-629 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इस इश्यू का साइज 1,269 करोड़ रुपये था। मजबूत सब्सक्रिप्शन के बावजूद, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट ने निवेशकों को निराश किया।

एजेक्स इंजीनीयरिंग भारत में कंक्रीट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में से एक है। यह कंक्रीट एप्लिकेशन वैल्यू चेन में कई तरह के मशीनरी, उपकरण, सेवाएं और समाधान उपलब्ध कराती है। कंपनी के पास कर्नाटक में चार असेंबली और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। इसमें से हर यूनिट अलग-अलग उत्पाद लाइनों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी इनोवेटिव कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी पर फोकस कर रही है, जिससे वह भारतीय और वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है।

'ऑफिस आओ, या दूसरी नौकरी तलाश लो', WFH जारी रखने की मांग पर भड़के जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ

tपरिवहन विशेष न्यूज

10 जनवरी को जेपी मॉर्गन चेस ने अपने 3.17 लाख कर्मचारियों को सूचित किया कि हाइब्रिड वर्क सिस्टम खत्म किया जा रहा है। फरवरी से सभी कर्मचारियों को पांच दिन ऑफिस आना होगा। इस फैसले के खिलाफ कई कर्मचारियों खासकर बैक-ऑफिस स्टाफ ने आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह बदलाव वर्क-लाइफ बैलेंस पर बुरा असर डालेगा।

नई दिल्ली। अमेरिका के सबसे बड़े बैंक जेपी मॉर्गन चेस (JPmorgan chase) के सीईओ जेमी डिमन (Jamie Dimon) ने कर्मचारियों की हाइब्रिड वर्क सिस्टम की मांग को सख्ती से खारिज कर दिया। कर्मचारियों ने कंपनी से 5-डे रिटर्न-टु-ऑफिस (RTO) पॉलिसी पर दोबारा विचार करने की गुजारिश की थी।

डाइमोन ने टाउन हॉल बैठक के दौरान कर्मचारियों की आंतरिक याचिका को सिरे से नकार दिया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक डिमन ने सख्त लहजे में कहा, 'इस पर समय बर्बाद मत करो। मुझे कोई परवाह नहीं कि इस याचिका पर कितने लोग साइन करते हैं।' उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों के पास दो विकल्प हैं। या वे ऑफिस आकर काम करें, या फिर दूसरी नौकरी तलाश लें।

क्या है पूरा मामला?

10 जनवरी को जेपी मॉर्गन चेस ने अपने 3.17 लाख कर्मचारियों को सूचित किया कि हाइब्रिड वर्क सिस्टम खत्म किया जा रहा है। फरवरी से सभी कर्मचारियों को पांच दिन ऑफिस आना होगा। इस फैसले के खिलाफ कई कर्मचारियों, खासकर बैक-ऑफिस स्टाफ ने आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि यह बदलाव वर्क-लाइफ बैलेंस पर बुरा असर डालेगा। इससे केयरगिवर्स, वरिष्ठ कर्मचारी, महिलाएं और दिव्यांग लोग काफी ज्यादा प्रभावित होंगे।

सैकड़ों कर्मचारी ने उठाई आवाज

1,200 से अधिक कर्मचारियों ने जेपी मॉर्गन के रिटर्न-टु-ऑफिस नियम के खिलाफ याचिका पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया कि इसका कर्मचारियों की मानसिक सेहत और कार्यकुशलता पर बुरा असर पड़ेगा। हालांकि, डाइमोन ने उनकी सभी दलीलों को एक झटके में खारिज कर दिया।

रिमोट वर्क को लेकर डिमन की नाराजगी

डिमन रिमोट वर्क के सख्त आलोचक रहे हैं। उनका मानना है कि इससे उत्पादकता में गिरावट आती है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, ₹मैंने COVID के बाद से हफ्ते में सातों दिन काम किया है। मैं ऑफिस आता हूं, तो बाकी लोग कहां हैं?₹

उन्होंने खासतौर पर शुक्रवार को वर्क-फ्रॉम-होम (WFH) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ₹मुझे यह मत बताओ कि शुक्रवार को घर से काम करने से सब कुछ ठीक तरीके से चलता है। मैं कई लोगों को शुक्रवार को कॉल करता हूं, लेकिन कोई जवाब ही देने वाला नहीं होता।"

कर्मचारी को निकाला, फिर वापस बुलाया

इससे पहले जेपी मॉर्गन चेस के एक एनालिस्ट निकोलस वेल्च को डिमन की RTO पॉलिसी पर सवाल उठाने के तुरंत बाद निकाल दिया गया था। वेल्च तलाक से गुजर रहे हैं और वह काम में फ्लेक्सबिलिटी चाहते थे। उनका कहना था कि निचले स्तर के मैनेजर्स को यह तय करने देना चाहिए कि कर्मचारियों को कितने दिन ऑफिस बुलाया जाए।

उनकी बात पर कर्मचारियों ने तालियां बजाईं, लेकिन डिमन ने इस सुझाव को तुरंत खारिज कर दिया। इस मीटिंग के तुरंत बाद वेल्च के सुपरवाइजर ने उन्हें ऑफिस छोड़ने के लिए कह दिया। हालांकि, कुछ घंटे बाद एक सीनियर एग्जीक्यूटिव ने इस फैसले को पलट दिया और उन्हें फिर से नौकरी पर रख लिया।

जेपी मॉर्गन में छंटनी की तैयारियां

RTO विवाद के साथ-साथ जेपी मॉर्गन चेस ने छंटनी की तैयारी भी शुरू कर दी है। 2025 की डाउनसाइजिंग प्लानिंग योजना के तहत फरवरी में 1,000 से कम कर्मचारियों की छंटनी होगी। इसके बाद, मार्च, मई, जून, अगस्त और सितंबर में और कटौती की जाएगी।

बैंक के अनुसार, यह छंटनी कुल वर्कफोर्स का केवल सिर्फ 0.3 होगी। हालांकि, जेपी मॉर्गन कुछ क्षेत्रों में नए कर्मचारियों की भर्ती जारी रखेगा और प्रभावित कर्मचारियों को अन्य विभागों में ट्रांसफर करने की योजना बना रहा है।

ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से डरने की जरूरत नहीं, भारत पर होगा बेहद मामूली असर

SBI की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर अमेरिका 15-20 फीसदी की उच्च टैरिफ दरें लागू भी करता है तो भी भारतीय निर्यात पर इसका कुल प्रभाव सिर्फ 3-3.5 फीसदी तक सीमित रहेगा। रिपोर्ट का कहना है कि भारत इस प्रभाव को निर्यात विविधीकरण मूल्य संवर्धन और नए व्यापार मार्गों की खोज के संतुलित कर सकता है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान किया है, तभी से भारत पर इसके प्रभाव के बारे में लगातार चर्चा हो रही है। इसका असर भारती शेयर बाजार पर भी दिखा। इसमें पिछले कई कारोबारी सत्रों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की पारस्परिक टैरिफ नीति का भारतीय निर्यात पर काफी कम प्रभाव पड़ेगा। बेशक व्यापार प्रतिबंधों को लेकर चिंताएं बनी हुई हों।

भारतीय निर्यात पर कम असर क्यों पड़ेगा?

SBI की रिपोर्ट का कहना है कि अगर अमेरिका 15-20 फीसदी की उच्च टैरिफ दरें लागू भी करता है, तो भी भारतीय निर्यात पर इसका कुल प्रभाव सिर्फ 3-3.5 फीसदी तक सीमित रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ₹अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ का भारत के निर्यात पर अधिक असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका के 15-20 फीसदी वृद्धि टैरिफ का असर भी सिर्फ 3-3.5 फीसदी रहेगा। इसे बढ़े हुए निर्यात लक्ष्यों (Higher Export Goals) के जरिए आसानी से संतुलित किया जा सकता है।₹ रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस प्रभाव को निर्यात विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और नए व्यापार मार्गों की खोज के संतुलित कर सकता है।

भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है अमेरिका

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट पार्टनर बना हुआ है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल जितना निर्यात किया, उसमें अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी 17.7 फीसदी रही थी। हालांकि, भारत अब किसी एक बाजार (Single Market Dependency) पर निर्भरता कम करने की रणनीति बना रहा है। इससे टैरिफ या ट्रेड वॉर जैसी स्थिति में जोखिम को कम किया जा सकेगा।

भारत अब यूरोप, मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए सप्लाई चेन नेटवर्क (Supply Chain Networks) विकसित किया जा रहा है, जिससे निर्यात में स्थिरता सुनिश्चित किया जा सकेगा।

भारत और अमेरिका में टैरिफ रेट

SBI की रिपोर्ट बताती है कि पिछले कुछ साल में अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ रेट में ज्यादा बड़ा फेरबदल नहीं किया है। हालांकि, इस दौरान भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर ज्यादा टैरिफ बढ़ाया है।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिका का टैरिफ रेट:

2018: 2.72%
2021: 3.91%
2022: 3.83% (थोड़ी गिरावट)
अमेरिकी उत्पादों पर भारत का टैरिफ रेटः
2018: 11.59%
2022: 15.30% (तेज वृद्धि)

अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के पीछे कई कारण है।

अब सस्ते में पी सकेंगे अमेरिका की बरबन व्हिस्की, सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी 150 से घटाकर 50 प्रतिशत की

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिका की सबसे लोकप्रिय बरबन व्हिस्की अब भारत में सस्ती हो गई है। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता करने से कुछ घंटे बाद भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क में 66.6 प्रतिशत की कटौती की है। अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

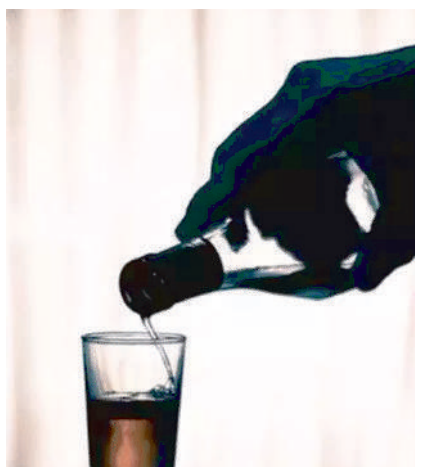

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की तैयारी के बीच भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह 150 प्रतिशत था। बरबन व्हिस्की अपनी मिठास के लिए जानी जाती है।

भारत में बार्बन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत से ठीक पहले 13 फरवरी को बरबन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना जारी की गई थी। हालांकि अन्य शराब के आयात पर सीमा शुल्क में कोई कटौती नहीं की गई है। उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा।

अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा

राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा। भारत ने 2023-24 में 25 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य की बरबन व्हिस्की का आयात किया।

हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर दिख सकता है जलवा

डोनाल्ड ट्रंप के 'जवाबी टैरिफ' पर जोर देने के बीच इस तरह की चर्चाएं हैं कि अमेरिकी बाइक कंपनी हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर से जलवा दिख सकता है। इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट में आयातित महंगे बाइक पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की गई है ताकि उनका आयात सस्ता हो सके।

इस समय भारतीय साझेदार हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर केवल एक माडल एक्स-440 बेचने वाली हार्ले डेविडसन ने भारत में 13 माडल बाजार में उतारे थे, लेकिन कंपनी ने 2020 में अपना मैन्यूफैक्चरिंग और सेल्स बंद कर दिया।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील से भारत में बढ़ेगा रोजगार, चीन की मुश्किलों में होगा इजाफा

लेदर गारमेंट्स जेम्स व ज्वैलरी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अमेरिका में भारत के निर्यात को बढ़ाने की अभी असीम संभावना है। चीन इन सभी सेक्टर में भारत के मुकाबले 7-10 गुना तक अधिक निर्यात करता है। ट्रंप ने चीन की वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा की है। ऐसे में ट्रेड डील होने की सूरत में भारत के पास निर्यात बढ़ाने का मौका रहेगा।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह भारत के साथ 2030 तक व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं और दोनों देश इस साल एक मिनी ट्रेड डील भी कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील होने पर भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेम्स व ज्वैलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मा जैसे रोजगारपरक सेक्टर को बड़ी ताकत मिल सकती है। इससे भारतीय वस्तु निर्यात को मदद मिलने के साथ देश में रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका सर्विस सेक्टर पर आधारित अर्थव्यवस्था है और वहां के जीडीपी में सर्विस सेक्टर का हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक हो गई है और मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। ऐसे में गारमेंट, फुटवियर, फार्मा, इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स व ज्वैलरी जैसे आइटम का निर्माण अमेरिका में बड़े पैमाने पर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। इस प्रकार के आइटम के लिए अमेरिका मुख्य रूप से आयात पर निर्भर करता है। इसलिए भारत अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील में रोजगारपरक सेक्टर पर फोकस करेगा।

चीन की कैसे बढ़ेगी मुश्किल

ट्रंप के पिछले कार्यकाल में जब अमेरिका के साथ मिनी ट्रेड डील को लेकर वार्ता शुरू हुई थी, तब भी भारत का ध्यान इन सेक्टर पर ही था। इसकी एक प्रमुख वजह यह भी है कि लेदर, गारमेंट्स, जेम्स व ज्वैलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अमेरिका में भारत के निर्यात को बढ़ाने की अभी असीम संभावना है। इन सभी सेक्टर में अमेरिका के बाजार में भारत के मुकाबले चीन 7-10 गुना तक अधिक निर्यात करता है। चीन अमेरिका को सालाना 450 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि भारत का सालाना कुल वस्तु निर्यात भी इससे कम है। वर्ष 2024 में अमेरिका में भारत का कुल वस्तु निर्यात 73.77 अरब डॉलर का रहा।

ट्रंप ने राष्ट्रपति का पद संभालते ही चीन की वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर दी। लेकिन भारत के साथ वह ट्रेड डील की बात कर रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस का मानना है कि टेक्सटाइल, लेदर व अन्य फुटवियर, खिलौने, केमिकल्स व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में अगले एक साल में भारत अपने निर्यात को 25 अरब डॉलर तक बढ़ा सकता है।

कैसी होगी ट्रेड डील

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इंशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का मानना है कि यह ट्रेड डील कोई मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की तरह नहीं होगा। इसलिए सेक्टर को ध्यान में रखते ही भारत को डील आगे बढ़ाना चाहिए। वीकेसी फुटवियर के चेयरमैन नौशाद के मुताबिक गैर लेदर फुटवियर में अमेरिका में निर्यात की बड़ी संभावना है, लेकिन डील का फायदा तभी मिलेगा जब हमें कच्चे माल सस्ते दाम पर मिले और घरेलू फुटवियर निर्माता अपनी क्षमता का विस्तार करे।

अमेरिका के बाजार को ध्यान में रखते हुए ताइवान की फुटवियर कंपनियां भारत में आ रही हैं और पूरी तरह से एक्सपोर्ट यूनिट होने के नाते उन्हें कच्चे माल पर टैक्स नहीं देना पड़ता है। घरेलू फुटवियर उद्योग को भी ऐसी सुविधा मिलनी चाहिए।

पिछले एक-दो सालों में अमेरिका के बाजार में गारमेंट निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ी है। तब भी अमेरिका में होने वाले कुल गारमेंट आयात में भारत की हिस्सेदारी 5.8 प्रतिशत तक पहुंची है जो दो साल पहले तक 4.82 प्रतिशत थी। जबकि चीन की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिक निर्यात अमेरिका के बाजार में वर्ष 2022 में सिर्फ छह अरब डॉलर का था जो वर्ष 2024 में 14.4 अरब डॉलर तक चला गया है लेकिन चीन अमेरिका को अब भी सालाना 120 अरब डालर से अधिक का इलेक्ट्रानिक्स व इलेक्ट्रिक आइटम का निर्यात कर रहा है।

विवाह के झूठे वादों से दुष्कर्म के बढ़ते मामले

हाल के वर्षों में बलात्कार के ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिनमें अभियुक्त पर बलात्कार का आरोप लगाया जाता है। इन मामलों में, एक पुरुष जिसने एक महिला से शादी करने का वादा किया है, उसके साथ यौन क्रियाकलाप और शारीरिक अंतरंगता में शामिल होता है, लेकिन बाद में अपने वादे से मुकर जाता है। अक्सर यह भूलकर कि उनके बीच सहमति से सम्बंध थे, महिला जो इससे ग़लत महसूस करती है, पुरुष पर बलात्कार का आरोप लगाती है। अतुल गौतम बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2025) में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के परिणाम हाल ही में एक ऐसे व्यक्ति को जमानत दे दी गई, जिस पर विवाह की शपथ के बदले में अपने सहवास करने वाले साथी के साथ बलात्कार करने का आरोप था। महिलाओं की स्वायत्तता ऐसे न्यायालय के निर्णयों से प्रभावित होती है, जो लैंगिक रूढ़ियों को भी क़ायम रखते हैं।

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल झूठी शादी की शपथ की आड़ में कई हज़ार बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएँ महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं। बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग हैं। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है। इसके अतिरिक्त, झूठा वादा न निभाने और उसे तोड़ देने में अंतर है। अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा। अभियोक्ता अभियुक्त द्वारा बनाए गए झूठे प्रभाव के बजाय उसके प्रति अपने प्यार और जुनून के आधार पर अभियुक्त के साथ यौन सम्बंधों के लिए सहमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, अप्रत्याशित या अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण ऐसा करने का इरादा होने के बावजूद अभियुक्त उससे शादी करने में असमर्थ हो सकता है। इन स्थितियों को अलग तरीके से संभालने की आवश्यकता है। बलात्कार का मामला तभी स्पष्ट होता है जब शिकायतकर्ता का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या गुप्त उद्देश्य हो।

अतुल गौतम बनाम इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फ़ैसला सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करता है। यह फ़ैसला अपर्णा भट बनाम के विपरीत है। 2021 के मध्य प्रदेश राज्य के फैसले में आरोपी और पीड़ति को द्वितीयक आघात से बचने के लिए जमानत पर रहते हुए संवाद करने से मना किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फ़ैसला सुनाया कि निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए, जमानत की आवश्यकताओं को आरोपी और उत्तरजीवी के बीच संचार के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। यह विचार कि विवाह बलात्कार के लिए एक उपाय है न कि अपराध के लिए सजा, ऐसी जमानत आवश्यकताओं द्वारा पुष्ट होता है, जो सामाजिक समझौते को कानून के शासन से आगे रखता है। रामा शंकर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2022) में जमानत देते समय इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने प्रतिवादी के खिलाफ अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर कर दिया। उत्तरजीवी को जमानत प्राप्त करने के लिए आरोपी द्वारा विवाह के लिए मजबूर किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कानूनी व्यवस्था के भीतर निरंतर दुर्व्यवहार हो सकता है। अभिषेक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) ने न्याय की गारंटी देने के बजाय, अभियुक्त को विवाह के वादे के बदले में जमानत देकर एक दबावपूर्ण गतिशीलता बनाई। जो उत्तरजीवी को उचित पुनर्वास सहायता प्राप्त करने के बजाय अभियुक्त पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करता है। किशोरों के निजता के अधिकार (2024) में न्यायालय द्वारा उत्तरजीवियों और बच्चों को आवास, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के राज्य के दायित्व पर प्रकाश डाला गया था। जमानत का उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों को लागू करना नहीं है, बल्कि मामला लंबित रहने तक अस्थायी स्वतंत्रता की गारंटी देना है।

महिलाओं की स्वायत्तता और ₹सम्मान₹ विचारधारा की निरंतरता इन न्यायिक निर्णयों से प्रभावित होती है, जो लैंगिक रूढ़ियों को भी मज़बूत करती है। ऐसे निर्णय बलात्कार को अपराध से कम और पवित्रता के नुक़सान को अधिक बनाते हैं, जो पितृसत्तात्मक धारणा को मज़बूत करते हैं कि एक महिला की गरिमा विवाह से जुड़ी होती है। न्यायालयों ने पिछले कई निर्णयों में एक पीड़ित के पुनर्वास को विवाह के बराबर माना है, बलात्कार को शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के रूप में स्वीकार करने में विफल रहे। न्यायालय महिलाओं की स्वायत्तता को कमजोर करते हुए अपराधियों के साथ विवाह करने के लिए पीड़ितों पर दबाव डालकर कानूनी संरक्षण के तहत दुर्व्यवहार और नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। विवाह को एक उपाय मानने वाली अदालतें पीड़ित की सहमति की कमी को नजरअंदाज करती हैं, जिसका अर्थ है कि जबरदस्ती को कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है। महिलाओं को लगातार आघात और सुरक्षा जोखिमों के बावजूद अक्सर अपने दुर्व्यवहार करने वालों के साथ ₹समझौता विवाह₹ में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए, जो महिलाओं की स्वायत्तता और गरिमा की रक्षा करता है, ऐसे निर्णय महिलाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध सम्बंधों में मजबूर करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, जबरन विवाह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय के बजाय अधिक शोषण का सामना करना पड़ता है।

ये निर्णय इस धारणा को बनाए रखते हैं कि विवाह यौन हिंसा को हल कर सकता है, इन घटनाओं को गंभीर अपराधों के बजाय नागरिक विवादों में बदल देता है। रूढ़िवादी ग्रामीण क्षेत्रों में पीड़ितों पर अक्सर अदालतों द्वारा आरोपी लोगों से विवाह करने का दबाव होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामाजिक दबाव से न्याय से समझौता न हो, अदालतों को स्थापित नियमों का पालन करना चाहिए जो विवाह को जमानत की शर्त बनाने से रोकते हैं। अपर्णा भट केस (2021) में, सर्वोच्च न्यायालय ने फ़ैसला किया कि जमानत की ऐसी आवश्यकताएँ जो पीड़ितों को रिश्तों में मजबूर करती हैं या लैंगिक रूढ़िवादिता को बनाए रखती हैं, उनसे बचना चाहिए। राज्य को पीड़ितों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के लिए मौद्रिक सहायता, परामर्श, कानूनी सहायता और कौशल-निर्माण पाठ्यक्रम प्रदान करके कल्याण कार्यक्रमों में सुधार करना चाहिए। वन स्टॉप सेंटर योजना द्वारा एकीकृत सहायता सेवाएँ प्रदान की जाती हैं; हालाँकि, अधिकतम प्रभाव के लिए, इसमें सुधार और विस्तार की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि न्यायिक विवेक से पीड़ितों के अधिकारों को ख़तरा न हो, विधायी संशोधनों को विशेष रूप से विवाह की शर्त पर ज़मानत देने की प्रथा को रोकना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कानूनी व्याख्याएँ पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों के बजाय संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखें, न्यायाधीशों को लिंग-संवेदनशील प्रशिक्षण प्रदान करें। पीड़ितों के अधिकारों और लैंगिक न्याय को न्यायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, जैसे कि राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी द्वारा संचालित पाठ्यक्रम।

त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए, त्वरित परीक्षण पीड़ितों को समझौते के लिए मजबूर करने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई की आवश्यकता को समाप्त कर देंगे। हालाँकि 2019 निर्भया फंड को फास्ट-ट्रैक कोर्ट के लिए अलग रखा गया था, लेकिन उनमें से कई अभी भी संसाधनों की कमी और प्रशासनिक रुकावटों के परिणामस्वरूप कम उपयोग किए जाते हैं। ऐसे न्यायिक निर्णयों से महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करने और इस तरह पितृसत्तात्मक मानदंडों को मज़बूत करने का जोखिम है। रिश्ते की जटिलता और धोखाधड़ी के इरादे के बीच अंतर करने के लिए एक अच्छी तरह से कानूनी रणनीति की आवश्यकता होती है। कानूनी सुरक्षा को मज़बूत करके और लिंग-संवेदनशील न्यायिक प्रशिक्षण प्रदान करके न्याय किया जा सकता है, जो लैंगिक समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

'गलवान के शहीदों का अपमान है', सैम पित्रोदा के चीन वाले बयान के बाद भड़की भाजपा

परिवहन विशेष न्यूज

सैम पित्रोदा के बयान के बाद बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा सैम पित्रोदा की बात भारत की संप्रभुता और कूटनीति के खिलाफ है। साथ ही उन्होंने कहा कांग्रेस के चीन के साथ हुए करार का इजहार हो गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा- गलवान में हमारे 20 जवान शहीद हुए और उसके बाद अगर आपके ओवरसीज प्रेसिडेंट ऐसी भाषा बोलते हैं तो ये निंदनीय है।

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने एलएसी (LAC) सीमा विवाद पर एक बयान दिया है। इसी को लेकर अब बीजेपी ने उन्हें घेर लिया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, सैम पित्रोदा की बात भारत की संप्रभुता और कूटनीति के खिलाफ है। साथ ही उन्होंने कहा, कांग्रेस के चीन के साथ हुए करार का इजहार हो गया है। सैम पित्रोदा ने कहा था कि चीन को हमारा दुश्मन मानना गलत है। सुधांशु त्रिवेदी ने इसके जवाब में कहा, सैम पित्रोदा ने कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ समझौते की खुलकर पोल खोल दी है। गंभीर बात ये है कि सैम पित्रोदा ने जिस तरह की बात कही है, वो भारत की अस्मिता, कूटनीति और संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है। राहुल गांधी भी विदेश में ऐसे कई बयान दे चुके हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, कुछ समय पहले उन्होंने अपने विदेश दौरे पर कहा था कि चीन ने बेरोजगारी की समस्या का बहुत अच्छे से समाधान किया है। गलवान में हमारे 20 जवान शहीद हुए और उसके बाद अगर आपके ओवरसीज प्रेसिडेंट ऐसी भाषा बोलते हैं तो ये निंदनीय है।' भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी कहते हैं, 'इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स नामक एक संगठन है जिसने 2011 में एक भारतीय संगठन इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्शन मैनेजमेंट के साथ एक समझौता किया था, जो चुनाव आयोग से जुड़ा संगठन है और कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग नामक संगठन से समर्थन मिल रहा है, जिसका संबंध जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से है, जिसने यूएसएआईडी आदि के माध्यम से भारत में आधा बिलियन डॉलर का निवेश किया और तब से हर साल 3.5 लाख डॉलर भारत आ रहे हैं।'

हिमंता बिस्वा सरमा का बड़ा एक्शन, पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर, कैबिनेट ने दिखाई थी हरी झंडी

असम मंत्रिमंडल ने पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का फैसला पारित किया था जिसके बाद असम पुलिस ने तौकीर के खिलफ एफआईआर दर्ज कर ली है। हालांकि गौरव गोगोई की पत्नी के खिलाफ मंत्रिमंडल ने कोई भी केस नहीं दर्ज करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने संवाददाताओं से बातचीत में सारी जानकारी दी।

नई दिल्ली। असम में पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस महानिदेशक को बीते दिनों इस संदर्भ में निर्देश दिया गया था, जिसके बाद पुलिस ने अली तौकीर शेख पर प्राथमिकी दर्ज की है। पिछले दिनों कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी के आईएसआई के साथ संबंध को लेकर काफी हो-हंगामा हुआ था। लेकिन असम मंत्रिमंडल ने उनके खिलाफ कोई भी मामला दर्ज नहीं करने का फैसला किया है।

सीएम सरमा ने किया पोस्ट

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, कल लिए गए कैबिनेट के फैसले के तहत असम पुलिस ने अली तौकीर शेख और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इससे पहले मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सीएम ने कहा था कि राज्य सरकार गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद तत्कालीन कालियाबोर निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार में भाग लेने की जांच के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी।

अली तौकीर शेख पर कसा गया शिकंजा

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के एक प्रस्ताव को विस्तार से पढ़ा था। इस दौरान उन्होंने कहा, 'पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख की ओर से असम में सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने के उद्देश्य से की गई कुछ टिप्पणियों के बारे में कई समाचार खबरों, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने आई है'। उन्होंने आगे कहा, 'शेख की सोशल मीडिया गतिविधि में भारत के आंतरिक मामलों और ससंदीय मामलों पर विस्तृत टिप्पणी शामिल है, जिससे उक्त व्यक्ति के भारत के हितों से समझौता करने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के इरादे पर गंभीर चिंताएं पैदा होती है'।

सीएम सरमा ने कहा, 'इस मुद्दे के व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा विशेष रूप से असम के निहितार्थों को देखते हुए राज्य मंत्रिमंडल ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य प्रांसगिक कानूनों के उचित प्रावधानों के तहत शेख के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है'।

गौरव गोगोई का आया नया बयान

इन सब के बीच गौरव गोगोई का एक नया बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, असम सरकार कोई भी जांच कर सकती है, लेकिन हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं।

परम्पराओं का अभिमान।

होली आई होली आई,
आया रंगों का त्योहार।
परम्परओं का अभिमान।
होलिका दहन , धुलेंडी ,
अबीर , रंग और गुलाल।
सखी सहेली , सांवली ,
वो हो गई लालम लाल।
ढोल बजाए ये होली की ,
उमंगे प्यारी सी मृदंग।
प्यार मुहब्बत मिली हुई है,
ये होली की हुड़दंग।
रंग बिरंगा यौवन आया,
महका महका हर पलाश।
रंग गुलाल है उड़ने वाला ,
खुशियों का वो आभाष।
पशु , पक्षी , पेड़ और पौधे ,
मन में पल रहा उल्लहास।
बालियां गेहूँ की खेतों में,
कैसे मुस्काती ,इठलाती हैं।
प्रकृति भी सुंदरता की ये,
चादर ओढ़े मुस्काती है।

डॉ मुश्ताक अहमद , शाह
सहज हरदा मध्यप्रदेश

थरूर ने की पीएम मोदी की तारीफ, कांग्रेस बोली- 'कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को धोखा न दें'

कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस समय अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। उन्होंने हाल के दिनों में पीएम मोदी अमेरिका यात्रा की तारीफ की थी। इस बीच कांग्रेस के मुखपत्र वीक्षणम डेली ने सोमवार को शशि थरूर की आलोचना करते हुए संपादकीय प्रकाशित किया। कांग्रेस ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को धोखा न दें।

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा की तारीफ करने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर अब केरल में उद्यमिता विकास की प्रशंसा करने पर अपनी ही पार्टी में घिर गए हैं। केरल कांग्रेस के मुखपत्र 'वीक्षणम डेली' ने सोमवार को शशि थरूर की आलोचना करते हुए संपादकीय प्रकाशित किया।

संपादकीय में थरूर का नाम तो नहीं लिया गया है, लेकिन उनसे आग्रह किया गया कि वह आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को धोखा न दें।

कांग्रेस ने नेताओं को दी नसीहत

कड़े शब्दों में लिखे गए संपादकीय में कहा गया है कि राज्य में सत्ता विरोधी लहर है। इसे बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार लोगों द्वारा इसे दबाने का प्रयास एक विकृत राजनीतिक व्यवहार है। बताते चलें, थरूर ने हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक में लेख लिखकर वामपंथी सरकार के तहत राज्य में उद्यमिता विकास की प्रशंसा की थी। इसके बाद से पार्टी के भीतर उन्हें सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

पीएम मोदी की यात्रा को लेकर क्या बोले थे थरूर?

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में थरूर ने कहा था कि इससे भारतीयों के लिए कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

यह संपादकीय थरूर द्वारा यह स्पष्ट करने के एक दिन बाद आया है कि उन्होंने केरल में एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) सरकार की प्रशंसा नहीं की थी, बल्कि केवल स्टार्टअप क्षेत्र में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला था। थरूर ने कहा था कि मेरे लेख में कोई राजनीतिक संदर्भ नहीं था। मेरा ध्यान केवल उद्यमिता और नवाचार में केरल के विकास पर था।

स्थानीय निकाय चुनाव पर कांग्रेस का फोकस

हालांकि, पार्टी मुखपत्र ने उनके स्पष्टीकरण को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया। संपादकीय में चेतावनी दी गई कि अगर कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ (संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा) अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद स्थानीय निकाय चुनाव जीतने में विफल रहा, तो यह मोर्चे के लिए एक बड़ा झटका होगा। इसने अपनी चुनावी संभावनाओं को कमजोर करने के किसी भी कदम को हास्यास्पद बताया।

किट यूनिवर्सिटी में नेपाली छात्र की मौत पर संदेह बढ़ा: वार्डन ने शव दिखाने से किया इनकार

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : भुवनेश्वर केईटी कॉलेज छात्र की मौत की घटना में कॉलेज प्रशासन ने सफाई दिया। कीट बोर्ड के सचिव के अनुसार मृतक नेपाली छात्र का आरोपी छात्र से प्रेम प्रसंग था। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने अवसाद के कारण आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटना के आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है और जांच कर रही है।कल एक नेपाली छात्र की आत्महत्या के बाद कॉलेज परिसर में भारी तनाव था। अन्य नेपाली छात्रों ने रात भर कॉलेज परिसर में व्यापक तोड़फोड़ और तोड़फोड़ की।

इसको लेकर कल देर रात परिसर में तनाव का माहौल रहा। कुछ छात्रों ने परिसर में घुसकर तोड़फोड़ और विरोध प्रदर्शन किया। पूरी रात परिसर में अशांति के बाद, आज का दिन शांतिपूर्ण रहेगा। इस बीच, शिकायत के बाद इन्फोसिटी थाना पुलिस आरोपी छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही एक और जानकारी सामने आई है - OA-18 कमरे में छिपा है, यह सच है!

आधी रात को महिला छात्रावास में जो कुछ हुआ, उसे लेकर संदेह बढ़ता जा रहा है, जहां वार्डन ने छात्राओं को शव दिखाने से इनकार कर दिया, और छात्राएं शव देखने के लिए वहीं बैठी हैं। सैकड़ों की संख्या में छात्राओं ने छात्रावास को घेर लिया है और नेपाली छात्रों और साथी छात्राओं ने सड़क जाम कर दिया है। उन्होंने न्याय के लिए छात्रावास को भी घेर लिया है।

कौन बनेगा अगला CEC? पीएम की अगुआई में हुई बैठक, राहुल गांधी भी पहुंचे

देश का अगला मुख्य चुनाव आयुक्त कौन होगा इसको लेकर सोमवार को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी शामिल हुए। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार कल यानी 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। सीईसी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से छह वर्ष तक हो सकता है।

नई दिल्ली। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार कल यानी मंगलवार को रिटायर हो रहे हैं। इससे पहले सोमवार को भारत के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के लिए एक बैठक आयोजित की गई। ये बैठक साउथ ब्लॉक में हुई। बैठक में पीएम मोदी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल हुए।

कल रिटायर होंगे CEC

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार कल यानी 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त कौन बनेगा, इसको लेकर चयन समिति की आज बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी शामिल थे।

जानकारी दें कि राजीव कुमार के जाने के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त (ईसी) बन जाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक है।

केंद्र सरकार ने की समिति की स्थापना

बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में एक खोज समिति की स्थापना की है। यह समिति अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के पद के लिए संभावित उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए जिम्मेदार है। इसका उद्देश्य है कि सबसे योग्य और सक्षम व्यक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका के लिए नियुक्त किया जाए।

कांग्रेस ने क्या कहा?

देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर हुई इस बैठक को लेकर कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सीईसी चयन समिति सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्पष्ट और सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि सीईसी और ईसी की नियुक्ति पीएम, एलओपी और सीजेआई की समिति द्वारा की जानी चाहिए।

कैसे होती है CEC की नियुक्ति?

गौरतलब है कि सीईसी और ईसी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है। इस समिति का नेतृत्व भारत के प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ-साथ प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य भी शामिल होते हैं।

सीईसी का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से छह वर्ष तक हो सकता है। हालांकि, सीईसी पैंसठ वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हो जाएंगे, भले ही उनका कार्यकाल अभी समाप्त न हुआ हो।

राहुल गांधी ने उठाए थे सवाल

उल्लेखनीय है कि इसी महीने की शुरुआत में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति की सिफारिश करने वाली चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को हटाने पर सवाल उठाया और इसे सोची-समझी रणनीति करार दिया। राहुल गांधी ने संसद में पूछा था कि नियम बदल दिए गए हैं। चुनाव आयुक्त का चयन प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश करते थे। मुख्य न्यायाधीश को उस समिति से हटा दिया गया। यह प्रधानमंत्री से एक सवाल है, मुख्य न्यायाधीश को समिति से क्यों हटाया गया?

18 फरवरी: यशोदा जयंती पर विशेष:- कविता - पालन यशोदा माता ने किया...!

भगवान श्रीकृष्ण को देवकी ने जन्म दिया,
उनका पालन-पोषण यशोदा माता ने किया।
जन्मी यशोदा ब्रज में सुमुख नाम के घर में,
गोप पिता और माँ पाटला के ही आँचल में।
धन्य हुआ वो कन्हैया पाकर साथ में मईया,
खूब चराई जिसने वन-वन में जाकर गईया।

भगवान श्रीकृष्ण को देवकी ने जन्म दिया,
उनका पालन-पोषण यशोदा माता ने किया।
देवकी से भी ऊपर मैंया का माना स्थान है,
कन्हैया तो भैया यशोदा मैंया का ही मान है।

इस दिन विधि-विधान से करो पूजा-अर्चन,
व्रत करों संतान को मिले लंबी आयु वरदान।

भगवान श्रीकृष्ण को देवकी ने जन्म दिया,
उनका पालन-पोषण यशोदा माता ने किया।
हर साल फाल्गुन माह कृष्ण पक्ष षष्ठी तिथि,
दिन यह कितना श्रेष्ठ है उदया में हर विधि।
उठो करो स्नान लगाओ ध्यान ब्रह्म मुहुर्त है,
आचमनकर व्रत संकल्प लो बाकी व्यर्थ हैं।

संजय एम तराणेकर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023